हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 97 ● भिलाई, सोमवार 02 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

दीपावली और छठ पर 12 दिन तक अतिरिक्त बसें चलाएगा परिवहन निगम

लखनऊ। दीपावली और छठ पर्व पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने अतिरिक्त बसों के संचालन की तैयारी शुरू कर दी है। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने अधिकारियों को छह नवंबर से 17 नवंबर 2026 तक विशेष प्रोत्साहन अवधि में अधिक से अधिक बसें संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान प्रदेशवासियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित और सुगम यात्रा उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। परिवहन मंत्री ने कहा कि छठ पर्व पर पूर्वांचल के बड़ी संख्या में लोग दिल्ली और अन्य महानगरों से अपने घरों को लौटते हैं। इसे देखते हुए दिल्ली से पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए पर्याप्त संख्या में अतिरिक्त बसें चलाई जाएं। लखनऊ और कानपुर के लिए भी बसों की संख्या बढ़ाई जाए। पूर्वी उत्तर प्रदेश से गाजियाबाद, दिल्ली और पश्चिमी क्षेत्रों की ओर जाने वाली बसों में शुरुआती पड़ाव से 60 प्रतिशत से अधिक यात्री मिलने पर अतिरिक्त सेवाएं शुरू की जाएं।

यूपी में सरकारी नौकरी के लिए चरित्र सत्यापन की नई नीति लागू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने सरकारी नौकरियों में चयनित अभ्यर्थियों के चरित्र और पूर्ववृत्त सत्यापन के लिए नई समेकित नीति जारी की है। इसके तहत अब चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति से पहले पहचान और चरित्र की उपयुक्तता की जांच की जाएगी, लेकिन सत्यापन के नाम पर नियुक्ति प्रक्रिया को अनिश्चितकाल तक नहीं रोका जा सकेगा। शासन ने पुलिस महानिदेशक (अभिसूचना) और संबंधित जिलाधिकारियों को संदर्भ प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर सत्यापन आख्या उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मुख्य सचिव एम. देवराज की ओर से जारी आदेश में पूर्व में इस संबंध में जारी विभिन्न शासनादेशों को अवक्रमित करते हुए नई व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू की गई है। पहले से लंबित मामलों का निस्तारण भी इसी नीति के आधार पर किया जाएगा।नई नीति के अनुसार नियुक्ति प्राधिकारी अभ्यर्थी का पूरा विवरण पुलिस महानिदेशक (अभिसूचना), उसके गृह जनपद के जिलाधिकारी और उन जिलों के जिलाधिकारियों को भेजेंगे।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने के आरोप में युवक गिरफ्तार

लखनऊ । सैरपुर पुलिस ने 16 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बीकेटी क्षेत्र के कठवारा गांव निवासी अनुज पासी (19) के रूप में हुई है। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।पुलिस के मुताबिक, किशोरी की मां ने थाने पहुंचकर अपनी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने की शिकायत दर्ज कराई थी।

महारैली में गरजे खड़गे-राहुल गांधी

ज्ञानेश कुमार रात को सो नहीं पा रहे,जेल जाना तय-राहुल गांधी

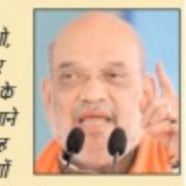
नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया गठबंधन की महारैली में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में वोटों की चोरी हुई और मतदाता सूची से करीब 15 फीसदी मतदाताओं के नाम हटाए गए। उन्होंने इसे लोकतंत्र और नागरिकों के मताधिकार पर हमला करार दिया। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए उनके इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल हैं और जवाबदेही तय करना जरूरी है। राहुल गांधी ने दावा किया कि ज्ञानेश कुमार के बिना नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री और अमित शाह केंद्रीय गृह मंत्री नहीं बन पाते। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाना विपक्ष का पहला कदम होगा। हालांकि, उनके इन आरोपों और दावों पर चुनाव आयोग की प्रतिक्रिया इस खबर में उपलब्ध नहीं है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों के चुनावों में मतदाता सूची में कथित हेरफेर और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से जुड़ी अनियमितताओं के जरिए चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया



गया। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट से नाम हटाना या जोड़ना केवल चुनावी गड़बड़ी नहीं, बल्कि नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने इन आरोपों को देश के लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा बताया। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने और किसानों, मजदूरों तथा युवाओं की समस्याओं की अनदेखी करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी मेहनत का उचित फल मिलना चाहिए और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलने चाहिए। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि भारत नफरत का नहीं, बल्कि मोहब्बत का देश है। राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि विपक्ष का उद्देश्य किसी व्यक्ति से नफरत करना नहीं, बल्कि लोकतंत्र, नागरिकों के अधिकारों और देश की संस्थाओं की रक्षा करना है। रामलीला मैदान की इस महारैली में राहुल गांधी ने चुनावी पारदर्शिता, मतदाता अधिकारों और चुनाव आयोग की जवाबदेही को विपक्ष के प्रमुख मुद्दों के रूप में उठाया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रामलीला मैदान के मंच से केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष ज्ञानेश कुमार को बचने नहीं देगा और उन्हें हटाकर ही दम लेगा, खड़गे ने आरोप लगाया कि ये सरकार चोरी की सरकार है और इसे हटना होगा।

सिख दंगों की बरसी पर रैली कर पीड़ितों के जख्मों पर छिड़का नमक- अमित शाह....



केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' मेगा रैली को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने रैली के लिए 1 नवंबर की तारीख चुने जाने पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह दिन 1984 के सिख-विरोधी दंगों की बरसी है। इस दिन रैली आयोजित करना हिंसा के पीड़ितों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। चंडीगढ़ में एक सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन पर सिख दंगों के पीड़ितों की भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 1984 की हिंसा में हजारों लोगों की जान गई थी ।

एक जेल से निकलकर दूसरे जेल पहुंचे आजम खान

अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अलग-अलग मामलों में उन्हें बार-बार जेल जाना पड़ रहा है, जिससे उनकी रिहाई और गिरफ्तारी का सिलसिला जारी है। अब उन पर प्रवर्तन ?निदेशालय (ईडी) की टीम ने शिंकजा कसा है। ईडी की टीम ने आजम खान को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में हिरासत में लिया और रविवार को गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में डासना जेल भेजा गया। ईडी की टीम सपा नेता से मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ



करेगी। बता दें कि ईडी ने 13 अक्टूबर को अजीमनगर थाने में आजम खान, उनके जौहर ट्रस्ट समेत पांच लोगों के खिलाफ विश्वविद्यालय निर्माण में सरकारी धन के गबन और धोखाधड़ी के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई थी।

बंगाल की खाड़ी में एक हफ्ते में दूसरा चक्रवात

तीन नवंबर को आंध्र प्रदेश के तट से टकराएगा 'मुरासु' लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए गए...

नई दिल्ली/ एजेंसी

बंगाल की खाड़ी में एक बार फिर चक्रवाती तूफान का खतरा मंडराने लगा है। यहां बना गहरे दबाव का क्षेत्र चक्रवात 'मुरासु' में बदल गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, यह तूफान 3 नवंबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे रहने और झोंकों के साथ 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की आशंका है। एक हफ्ते के भीतर बंगाल की खाड़ी में यह दूसरा चक्रवाती तूफान बताया जा रहा है। इससे आंध्र प्रदेश और ओडिशा समेत तटीय राज्यों में भारी बारिश और तेज हवाओं का खतरा बढ़ गया है। इससे पहले 26 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी में चक्रवात 'अर्नब' उठा था, जो 28 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश के तट से टकराया था। इसके प्रभाव से आंध्र प्रदेश और ओडिशा समेत देश के कई हिस्सों में बारिश हुई थी। अब नए चक्रवात 'मुरासु' के संभावित असर को लेकर तटीय क्षेत्रों में चिंता बढ़ गई है। तूफान के कारण तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होने की आशंका है, जिससे निचले



इलाकों में जलभराव और बाढ़ जैसे हालात पैदा हो सकते हैं। ओडिशा के गंजाम और गजपति जिलों में पिछले एक सप्ताह से बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। राज्य अभी पिछले चक्रवात से हुए नुकसान से उबरने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में नए तूफान की आशंका ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। संभावित खतरे को देखते हुए ओडिशा सरकार ने निचले और पहाड़ी इलाकों को खाली कराने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन की प्राथमिकता संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना और संभावित नुकसान को कम करना है। चक्रवात 'मुरासु' के प्रभाव से तटीय इलाकों में मौसम बिगड़ने की आशंका है। लोगों को मौसम विभाग और स्थानीय प्रशासन की सलाह का पालन करने तथा आधिकारिक चेतावनियों पर नजर रखने की जरूरत है।

दिल्ली से आगरा सिर्फ 59 मिनट में पहुंचेंगे

पीएम नरेंद्र मोदी ने बुलेट ट्रेन के नॉर्थ कॉरिडोर को मंजूरी दे दी...

नई दिल्ली/ एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने बुलेट ट्रेन के नॉर्थ कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद दिल्ली से आगरा का सफर मात्र 59 मिनट में संभव हो सकेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। बुलेट ट्रेन के नॉर्थ कॉरिडोर के लिए पिलर से लेकर गार्डर तक भारत में ही किया जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह पूरी तरह से 'मेक इन इंडिया' होगा, जिसे भारत के युवाओं और वेल्डरों द्वारा तैयार



किया जाएगा। वाराणसी और नई दिल्ली के बीच नई 'वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस' सेवा को हरी झंडी दिखाने से पहले वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बुलेट ट्रेन के नॉर्थ कॉरिडोर को मंजूरी दी है, जो कई लोगों की जिंदगी बदल देगा। बुलेट ट्रेन को लेकर प्रधानमंत्री का जो विजन है उससे युवाओं, मध्यम आय वर्ग और छोटे उद्योगों से जुड़े कारीगरों को बहुत फायदा होगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उत्तर कॉरिडोर के रूट के बारे में विस्तार से बताया, जो दिल्ली, आगरा, कानपुर, लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज, पटना और सिलीगुड़ी को जोड़ेगा और गुवाहाटी तक जाएगा। वैष्णव के अनुसार, इससे यात्रा के समय में काफी कमी आएगी। दिल्ली से कानपुर की यात्रा में 1 घंटा 45 मिनट, दिल्ली से आगरा में 59 मिनट और दिल्ली से लखनऊ में 2 घंटे 12 मिनट लगेंगे।

इंस्टाग्राम पर विदेशी अमीर बनकर महिलाओं को फंसाते हैं साइबर ठग

देहरादून। सोशल मीडिया पर दोस्ती, प्यार और महंगे उपहारों का लालच देकर साइबर ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह ने ठगी का नया जाल बिछा रखा है। इंस्टाग्राम पर विदेशी नागरिक, अमीर कारोबारी, डॉक्टर, पायलट या सैन्य अधिकारी बनकर महिलाओं से दोस्ती करना और फिर विदेश से महंगे गिफ्ट भेजने के नाम पर लाखों रुपये ऐंठना इस गिरोह का नया तरीका बन गया है। उत्तराखंड के हल्द्वानी में सामने आए ऐसे मामलों ने साइबर अपराध के इस खतरनाक नेटवर्क की कार्यप्रणाली उजागर की है। साइबर सेल में तैनात विशेषज्ञ एसआई बीएल कुशवाहा ने इस ठगी के तरीके का खुलासा करते हुए बताया कि साइबर अपराधी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के जरिए महिलाओं को निशाना बनाते हैं।

महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एप मामले में बड़ी कामयाबी

सट्टा किंग सौरभ चंद्राकर को ओमान से गिरफ्तार कर लाया गया भारत

- कल रायपुर की विशेष सीबीआई कोर्ट में होगी पेशी

रायपुर। संवाददाता

महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एपमामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो को बड़ी कामयाबी मिली है। मामले के मुख्य आरोपी और महादेव एप सिंडिकेट के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को ओमान से भारत प्रत्यर्पित कर लिया गया है। सीबीआई की विशेष टीम उसे ओमान से भारत लेकर पहुंची है। अब उसे रायपुर की विशेष



सीबीआई अदालत में पेश किया जाएगा। सीबीआई के मुताबिक, सौरभ चंद्राकर दो सीबीआई मामलों में वांछित है, जिनमें आरोपपत्र दाखिल किए जा चुके हैं। इसके अलावा प्रवर्तन निदेशालय के एक मामले में भी उसके खिलाफ अभियोजन शिकायत दाखिल की गई है। सीबीआई की ओर से 1 नवंबर 2026 को जारी जानकारी के अनुसार, सौरभ चंद्राकर के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। इसके आधार पर उसे ओमान में तलाश कर रॉयल ओमान पुलिस ने हिरासत में लिया था। इसके बाद सीबीआई और ईडी ने उसके खिलाफजुटाए गए साक्ष्यों के साथ ओमान सरकार को औपचारिक प्रत्यर्पण प्रस्ताव भेजा। भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों, इंटरपोल के नेशनल सेंट्रल ब्यूरो और ओमान के संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय कर प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पूरी की गई।

नवा रायपुर के आसमान में भारतीय वायु सेना के शौर्य,साहस और कौशल का अद्भुत प्रदर्शन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने देखा सारंग टीम का रोमांचकारी हवाई करतब

- मुख्यमंत्री श्री साय सेंध लेक में भारतीय वायु सेना की सारंग एयरोबेटिक डिस्प्ले टीम की फुल ड्रेस रिहर्सल में हुए शामिल

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर आज नवा रायपुर का आसमान भारतीय वायु सेना के अदम्य शौर्य, साहस, अनुशासन और अद्भुत उड़ान कौशल का साक्षी बना। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज नवा रायपुर के सेंध लेक में आयोजित भारतीय वायु सेना की विश्वप्रसिद्ध सारंग एयरोबेटिक डिस्प्ले टीम के रोमांचकारी हवाई प्रदर्शन की फुल ड्रेस रिहर्सल में शामिल हुए। इस अवसर पर भारतीय वायु सेना की आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम, गरुड़ कमांडोज और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम के जाँबाजों ने अपने साहसिक करतबों, सटीक नियंत्रण और बेहतरीन तालमेल से उपस्थित जनसमूह को रोमांचित कर दिया। आसमान में तिरंगे की मनमोहक छटा, हेलीकॉप्टरों की आकर्षक फॉर्मेशन और 'वंदे मातरम्' की गूंज ने पूरे वातावरण को देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना से सराबोर कर दिया।मुख्यमंत्री श्री साय ने भारतीय वायु सेना के जाँबाजों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित सारंग टीम का यह आयोजन हम सभी के लिए



अत्यंत गौरव और प्रसन्नता का विषय है। हमारे वायु वीरों ने जिस साहस, अनुशासन, आत्मविश्वास और सटीक समन्वय के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन किया है, वह प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल रोमांचकारी हवाई करतबों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि भारतीय वायु सेना की उत्कृष्ट क्षमता, कठिन प्रशिक्षण, समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना का जीवंत परिचय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ इसी प्रकार निरंतर विकास, प्रगति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करता रहे। राज्य स्थापना दिवस की खुशियों के बीच भारतीय वायु सेना के जाँबाजों का यह अद्भुत प्रदर्शन प्रदेशवासियों के उत्साह और गौरव को और अधिक बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सारंग का अर्थ मोर होता है। जिस प्रकार मोर हमारे देश की विशिष्ट पहचान और सुंदरता का प्रतीक है, उसी प्रकार सारंग टीम भारतीय वायु सेना की गरिमा, उत्कृष्ट कौशल और अनुशासन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ की धरती पर हम एक ऐसे गौरवशाली उत्सव के साक्षी बन रहे हैं, जहाँ राज्य स्थापना की खुशियों के साथ भारतीय वायु सेना का शौर्य, अनुशासन और अदम्य साहस भी जुड़ गया है।

गरुड़ कमांडोज ने दिखाया चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में विशेष ऑपरेशन का कौशल

आकाशगंगा टीम के प्रदर्शन के पश्चात भारतीय वायु सेना के गरुड़ कमांडोज ने एमआई-17 हेलीकॉप्टर से रिपलरिंग का साहसिक प्रदर्शन किया। हवा में एक स्थान पर स्थिर हेलीकॉप्टर से रस्सियों के सहारे नीचे उतरते जवानों ने कठिन एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में निर्धारित स्थान तक पहुँचने की अपनी दक्षता का परिचय दिया। गरुड़ कमांडोज ने हेलीकॉप्टर से उतरकर सेंध लेक के सामने रेस्क्यू एवं कॉम्बैट ऑपरेशन का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इसके पश्चात जवानों ने मंच को सलामी दी। हवा में स्थिर हेलीकॉप्टर से रस्सियों के सहारे उतरने और निर्धारित स्थान पर ऑपरेशन को अंजाम देने की इस प्रस्तुति ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

धान खरीदी की तैयारियों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, सभी केंद्रों की व्यवस्थाएं समय पर पूरी करें: कलेक्टर

धान खरीदी की तैयारियों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं





- 95 उपार्जन केंद्रों के नोडल अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण
- तौल मशीनों का सत्यापन, आर्द्रतामापक यंत्र और सीसीटीवी कैमरे दुरुस्त रखने के सख्त निर्देश

सारंगढ़-बिलाईगढ़। खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों को लेकर कलेक्टर की अध्यक्षता में नोडल अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि 15 नवंबर से शुरू होने वाली खरीदी से पहले सभी उपार्जन केंद्रों में जरूरी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। किसी भी केंद्र में बुनियादी सुविधाओं की कमी नहीं रहनी चाहिए।

धान खरीदी 31 जनवरी 2027 तक चलेगी। मास्टर ट्रेनरों ने 30 अक्टूबर को नोडल अधिकारियों को खरीदी प्रक्रिया और आवश्यक तैयारियों का प्रशिक्षण दिया। जिले में कुल 95 धान उपार्जन केंद्र हैं। इनमें सारंगढ़ विकासखंड में 30, बरमकेला में 27 और बिलाईगढ़ में 38 केंद्र शामिल हैं। कलेक्टर ने केंद्रवार वर्तमान स्थिति की जानकारी लेकर अधिकारियों को शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने कहा। कलेक्टर ने तौल मशीनों का सत्यापन समय पर कराने और आर्द्रतामापक यंत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिन केंद्रों में आर्द्रतामापक यंत्र या सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में नहीं हैं, वहां तत्काल व्यवस्था दुरुस्त करने कहा।

उन्होंने खरीदी शुरू होने से पहले सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं पूर्ण करने पर जोर दिया। धान खरीदी की प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित रखने के लिए सभी केंद्रों की सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। राज्य, जिला और विकासखंड स्तर पर केंद्रों की मॉनिटरिंग होगी।

कलेक्टर ने अधिकारियों को खरीदी व्यवस्था पर लगातार नजर रखने और किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। किसानों को टोकन के लिए 'तुहर टोकन' मोबाइल एप की सुविधा दी गई है। किसान समिति में जाकर भी टोकन कटवा सकते हैं। इस वर्ष दो एकड़ तक भूमि वाले किसानों के लिए एक, दो से दस एकड़ तक भूमि वाले किसानों के लिए दो और दस एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों के लिए तीन टोकन की व्यवस्था की गई है।

पालना केंद्र सिवनी में चौपाल एवं पोस्टर के माध्यम से चलाया गया जागरूकता

- 'मिशन शक्ति' एवं 'मिशन वात्सल्य' के तहत महिलाओं व बालिकाओं को अधिकारों व योजनाओं के प्रति किया गया जागरूक



बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी अमित सिन्हा के आदेश एवं मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 'मिशन शक्ति' एवं 'मिशन वात्सल्य' योजना के अंतर्गत पालना केंद्र सिवनी में चौपाल एवं पोस्टर के माध्यम से विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा तथा शासकीय कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर व सशक्त बनाना रहा। अभियान के दौरान महिलाओं को एकत्र कर संवाद एवं चौपाल के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, महिला सुरक्षा तथा कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही शासन द्वारा संचालित प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं जैसे नोनी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन नंबर 181 तथा आपातकालीन सेवा डायल 112 (एक्के नंबर सब्बो बर) के संबंध में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में पोस्टर एवं प्रचार सामग्रियों के जरिए योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया गया तथा पालना केंद्र एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से दी जाने वाली पोषण व देखरेख सेवाओं पर सारगर्भित परिचर्चा की गई। वक्ताओं ने महिलाओं को योजनाओं का पूरा लाभ उठाने, अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा किसी भी विषम परिस्थिति में तत्काल विभागीय सहायता केंद्रों व हेल्पलाइन सेवाओं से संपर्क करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर संरक्षण अधिकारी श्रीमती हितेश्वरी मेश्राम, बाल संरक्षण अधिकारी गजानंद साहू, जिला मिशन समन्वयक (मिशन शक्ति) डॉ. एस. कुमार, केंद्र प्रशासक सखी वन स्टॉप सेंटर एकता कुर्रे, जेंडर विशेषज्ञ दिनेश्वरी सिन्हा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शोहद्रा, पालना कार्यकर्ता प्रतिभा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं उपस्थित रहीं।

एसईसीएल के पुनर्वास ग्रामों को मॉडल बसाहट के रूप में विकसित करें : कलेक्टर दुदावत

- कुसमुंडा, गेवरा और दीपका क्षेत्र के पुनर्वास स्थलों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, पुनर्वास स्थलों के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश



कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने आज एसईसीएल के कुसमुंडा, गेवरा एवं दीपका क्षेत्र में खदान विस्तार के लिए अधिग्रहित किए जाने वाले ग्रामों के पुनर्वास हेतु चिन्हांकित स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से पुनर्वास स्थलों में अब तक किए गए कार्यों की जानकारी लेते हुए सभी स्थानों पर बुनियादी सुविधाओं का बेहतर विकास सुनिश्चित करने और निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी पुनर्वास स्थलों को मॉडल पुनर्वास ग्राम के रूप में विकसित किया जाए, जहां विस्थापित होने वाले परिवारों को सड़क, पेयजल, नाली, जल निकासी सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। कलेक्टर दुदावत ने एसईसीएल कुसमुंडा क्षेत्र द्वारा अधिग्रहित ग्राम पाली-पड़निया के लिए ग्राम तरदा के जंगलपारा में विकसित किए जा रहे पुनर्वास स्थल का निरीक्षण किया। इसी तरह एसईसीएल गेवरा क्षेत्र के अधिग्रहित ग्राम भिलाईबाजार के लिए ग्राम बिरदा तथा ग्राम नरईबोध के लिए गेवरा-इमलीछापर रोड स्थित ग्राम जहराजेल एवं अधिग्रहित ग्राम रलिया के पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना के लिए ग्राम दर्री में विकसित किए जा रहे स्थल का भी निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने तरदा जंगलपारा स्थित पुनर्वास स्थल पर भूखंड के जमीनी स्तर का समतलीकरण, पेयजल आपूर्ति, ड्रेनेज एवं पानी निकासी की समुचित व्यवस्था तथा पहुंच मार्ग निर्माण के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बिरदा, जहराजेल एवं दर्री स्थित पुनर्वास स्थलों में भी जमीन समतलीकरण, सड़क निर्माण, पेयजल आपूर्ति और जल निकासी की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने एसईसीएल के अधिकारियों को सभी स्थलों पर कार्यों की गति बढ़ाने तथा विस्तृत विकास कार्ययोजना तैयार कर चरणबद्ध ढंग से निर्माण कार्य संचालित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि पुनर्वास स्थलों का विकास सुनियोजित तरीके से किया जाए ।

24वीं किश्त जारी किये जाने के अवसर पर पी.एम. किसान दिवस का आयोजन



दुर्ग। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत आज बनासकांठा, गुजरात से 24वीं किश्त की राशि प्रधानमंत्री जी द्वारा जारी की गई। उक्त दिवस को "पी.एम. उत्सव दिवस" के रूप में पूरे देश में मनाया गया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण पूरे देश में जिला, विकासखण्ड, सहकारी समिति एवं ग्राम पंचायत पर किया गया। जिले में मुख्य कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र अंजोरा एवं पाहंदा (अ) में किया गया। उक्त कार्यक्रम में "पी.एम. किसान उत्सव दिवस" के रूप में प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन का प्रसारण वेब कास्ट के माध्यम से किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र अंजोरा में मुख्य अतिथि विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चन्द्राकर, जिला पंचायत की अध्यक्ष मती सरस्वती बंजारे, जिला पंचायत सदस्य प्रिया साहू, सभापति कृषि स्थायी समिति जनपद पंचायत दुर्ग गोकुल वर्मा, कुलपति दाऊ वासूदेव कामधेनू विश्वविद्यालय डॉ. आर.आर.बी. सिंह, निदेशक विस्तार सेवाएं दाऊ वासूदेव कामधेनू विश्वविद्यालय डॉ. एम. गेन्दले, उप संचालक कृषि संदीप कुमार भोई, डॉ. विकास खुंणे प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र, वैज्ञानिकगण, कृषि विभाग के अधिकारीगण एवं कृषकगण उपस्थित हुए। इसी अनुक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र पाहंदा (अ) में मुख्य अतिथि मती नीलम चन्द्राकर, सदस्य जिला पंचायत, अध्यक्षता राजेश चन्द्राकर, सांसद प्रतिनिधि, विजय जैन वरिष्ठ वैज्ञानिक, वैज्ञानिकगण, कृषि विभाग के अधिकारीगण एवं कृषकगण उपस्थित हुए। कृषि विज्ञान केन्द्र पाहंदा एवं अंजोरा में आयोजित कार्यक्रम में 70 और 140 कृषक उपस्थित हुए। उक्त कार्यक्रम में समस्त जनों ने प्रधानमंत्री जी के किसानों के नाम संदेश को ध्यानपूर्वक सुना एवं इस कार्यक्रम के तहत डी.बी.टी. के माध्यम से 2000 रूपए की 24वीं किश्त जारी करने की प्रक्रिया को देखा। कार्यक्रम के दौरान ही कई किसानों के बैंक खाते में राशि प्राप्त हुई जिससे किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई। इसके तहत जिले के 76395 कृषकों को राशि 15.47 करोड़ रूपए जारी की गई। पीएम किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत किसान परिवार को सलाना 6000 रूपए तीन किस्तों में प्राप्त होती है। योजना अंतर्गत लाभ लेने के लिए वर्ष फरवरी 2019 में पूर्व से भू-धारक किसान आधारकार्ड, फार्मर आई.डी., ऋण पुस्तिका के साथ पंजीयन करा सकते है। किसान भाइयों से अपील की गई है कि जो अभी तक योजना अंतर्गत पंजीयन नहीं कराये है वह शीघ्र नजदीकी लोक सेवा केन्द्र से पंजीयन करा सकते है।

उक्त कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा किसानों से सीधा संवाद कर खेती किसानी से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की।

नगर पंचायत मारो चुनाव की तैयारियों का प्रेक्षक ने किया सघन निरीक्षण





बेमेतरा। आगामी नगर पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से आज चुनाव प्रेक्षक ने नगर पंचायत मारो का सघन दौरा किया। इस दौरान प्रेक्षक अभिलाषा पैकरा ने विभिन्न मतदान केंद्रों (बूथों) का भौतिक निरीक्षण कर निर्वाचन से जुड़ी तमाम तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान प्रेक्षक ने संवेदनशील एवं सामान्य मतदान केंद्रों का बारीकी से मुआयना किया। उन्होंने मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधा के लिए सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाओं — जैसे पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, रैंप, शौचालय, वेटिंग एरिया और प्रकाश व्यवस्था — का जायजा लिया। इस अवसर पर तहसीलदार सुमित देवांगन, मास्टर ट्रेनर अनिल कुमार वर्मा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत मारो मनीष कुमार ठाकुर भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सभी बूथों की जानकारी साझा की तथा निर्वाचन की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिए अब हर शुक्रवार होगी समीक्षा बैठक

- भिलाई-चरौदा निगम में कमिश्नर ने जारी किया आदेश, अधिकारियों-कर्मचारियों को सौंपे गए दायित्व



भिलाई-3। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, निदान, जनदर्शन सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त आवेदनों और शिकायतों के निराकरण की समीक्षा अब प्रत्येक शुक्रवार को भिलाई-चरौदा निगम के कॉन्फ्रेंस हॉल में की जाएगी। इस संबंध में निगम कमिश्नर एस. के. सुंदरानी ने आदेश जारी कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दायित्व सौंप दिए हैं। ऑनलाइन पोर्टल मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, निदान और जनदर्शन में समय-सीमा के भीतर प्राप्त होने वाले आवेदनों एवं शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने तथा आवेदकों की संतुष्टि के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

इसी क्रम में कमिश्नर सुंदरानी ने बैठक ली। उन्होंने सभी लंबित आवेदन प्रकरणों पर विभागों द्वारा की गई कार्यवाही की समीक्षा की और उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को लंबित प्रकरणों पर उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में लोक निर्माण विभाग से सहायक अभियंता हेमंत साहू, उपअभियंता मुकेश रात्रे, मुकेश चंद्राकर, केहर कुमार मरकाम एवं प्रभाकर शुक्ला उपस्थित रहे। इनके अलावा सहायक राजस्व अधिकारी अरुणिमा दुबे, स्थापना प्रभारी अभिलाषा श्रीवास्तव, सहायक ग्रेड-3 सुनीता चंद्राकर तथा खाद्य प्रभारी सह निगम सचिव लिंगेश्वर राव भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना सिटी लेवल टेक्निकल सेल के सभी कर्मचारी, आयुक्त के स्टेनो चेतन देवांगन एवं जनसंपर्क प्रभारी विकास चंद्र त्रिपाठी भी बैठक में उपस्थित थे।

अक्टूबर माह में सेवानिवृत्त हो रहे मंडल रेल परिवार के 01 अधिकारी सहित 27 सदस्यों को दी गई भावभीनी विदाई



बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत सहायक मंडल अभियंता सहित 27 रेल परिवार के सदस्य माह अक्टूबर 2026 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत्त हो रहे हैं। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर स्थित सीबीटी कक्ष में आयोजित सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त हो रहे समस्त कर्मचारियों को ससम्मान विदाई दी गई ।

इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी यू.एस.एस. राव एवं सहायक कार्मिक अधिकारी भास्कर गुहा द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी व कर्मचारियों को बंदोबस्त भुगतान से संबंधित समस्त दस्तावेज़, सेवा प्रशस्ति प्रमाण-पत्र एवं सेवा मैडल आदि प्रदान किया गया 7 इस दौरान मुख्य कार्यालय अधीक्षक (आईटी) सेवक रजक द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उम्मीद कार्ड (मेडिकल) व बंदोबस्त से संबन्धित नियमों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन, कल्याण निरीक्षक तथा कार्मिक निपटारा शाखा के कर्मचारीगण उपस्थित थे। मंडल के सेवानिवृत्त हो रहे 27 रेल परिवार के सदस्यों में इंजीनियरिंग विभाग से 09, परिचालन विभाग से 05, विद्युत विभाग से 05, यांत्रिक विभाग से 02, सिग्नल व दूरसंचार से 03, वाणिज्य विभाग से 01, चिकित्सा विभाग से 01 तथा कार्मिक विभाग से 01 कर्मचारी शामिल हैं । इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी गौरवशाली रेल सेवा के लिए बधाई दी तथा तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु होने की कामना की गई।

सांसद ने दिशा समिति की बैठक में विकास कार्यों, योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

सांसद कमलेश जांगड़े की अध्यक्षता में दिशा समिति की बैठक आयोजित

- पात्र हितग्राहियों तक शत प्रतिशत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश



जांजगीर-चांपा। लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा की सांसद कमलेश जांगड़े की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, विकास कार्यों की प्रगति तथा आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विभागवार समीक्षा की गई। सांसद ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचे तथा सभी विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं। बैठक में आरसेटी, स्वामित्व योजना, स्वच्छ भारत मिशन,प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, वी बी जी राम जी, विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, सिंचाई, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई। सांसद ने योजनाओं के क्रियान्वयन में आपसी समन्वय के साथ लंबित कार्यों में तेजी लाने तथा जनसमस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। सांसद जांगड़े ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी की समीक्षा के दौरान उन्होंने पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाने तथा आवास निर्माण कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप समय पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। सड़क निर्माण एवं रखरखाव की समीक्षा करते हुए सड़कों की शीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना आवश्यक है। इसके लिए संबंधित विभाग आवश्यक मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करें। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा करते हुए सांसद ने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने जर्जर भवनों की जानकारी ली एवं आवश्यकतानुसार मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक सुनिश्चित किया जाए। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार लाने के साथ आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने नियमित जीवनदीप समिति की बैठक करने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए।

सांसद ने आरसेटी की गतिविधियों के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़कर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने को कहा। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं मध्यान्ह भोजन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने कहा।

संक्षिप्त समाचार

पीएम स्वनिधि योजना से बदली हिमांशु हनवट की जिंदगी, ठेले से शुरू हुआ सफर अब छोटी दुकान तक पहुंचा

रायपुर। केंद्र सरकार की पीएम स्वनिधि योजना छोटे कारोबारियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में मददगार साबित हो रही है। राजधानी रायपुर में ठेला लगाकर फेरी के जरिए जूते-चप्पलों से जुड़ा सामान बेचने वाले हिमांशु हनवट ने योजना के तहत 50 हजार रुपये का ऋण लेकर अपना कारोबार ठेले से आगे बढ़ाकर एक छोटी दुकान तक पहुंचा दिया है। हिमांशु पहले ठेले पर सीमित सामान रखकर अलग-अलग स्थानों पर बिक्री करते थे। जगह-जगह घूमकर व्यवसाय करने के कारण ग्राहकों को सामान के अधिक विकल्प उपलब्ध कराना मुश्किल होता था। इससे उनकी आय भी अनिश्चित बनी रहती थी और परिवार की जरूरतें पूरी करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। लगातार मेहनत और कारोबार को आगे बढ़ाने की इच्छा के बीच पीएम स्वनिधि योजना से उन्हें 50 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। इस राशि की मदद से उन्होंने जूते-चप्पलों से संबंधित सामान की बिक्री के लिए छोटी दुकान शुरू की। इससे उन्हें अपना व्यवसाय व्यवस्थित रूप से संचालित करने और ग्राहकों को अधिक विकल्प उपलब्ध कराने का अवसर मिला है।

50 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त, पिता-पुत्र गिरफ्तार इक्को वाहन भी जब्त

रायपुर। जिले में अवैध शराब की बिक्री और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मुलमुला पुलिस ने 50 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शराब परिवहन में इस्तेमाल किए जा रहे इक्को वाहन क्रमांक ष्टत्त 11 ङ्क्त्त 1680 को भी जब्त किया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, थाना मुलमुला पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम कोसा सबरिया डेरा क्षेत्र में अवैध कच्ची महुआ शराब की बिक्री और परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने कोसा सबरिया डेरा पुल के पास घेराबंदी कर इक्को वाहन को रोका। तलाशी के दौरान वाहन से 50 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब बरामद हुई। मामले में तुलसी गोंड (40 वर्ष) और अजय गोंड (18 वर्ष 2 माह), निवासी कोसा सबरिया डेरा, थाना मुलमुला, जिला जांजगीर-चांपा को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने जब्त शराब और वाहन की कुल कीमत 1 लाख 5 हजार रुपये बताई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध थाना मुलमुला में धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी तुलसी गोंड के खिलाफ पहले से आबकारी एक्ट के तीन और मारपीट के तीन मामले दर्ज हैं।

जल जीवन मिशन के तहत तीन वर्षों में 6,836 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों के लिए पिछले तीन वर्षों में कुल 6,836.51 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। इसमें एकल ग्राम एवं समूह जलप्रदाय योजनाओं के साथ अन्य मदों में किए गए भुगतान भी शामिल हैं। विभाग के अनुसार, चालू वित्तीय वर्ष में भी योजनाओं के लिए भुगतान की प्रक्रिया जारी है। जल जीवन मिशन के राज्य कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में एकल ग्राम जलप्रदाय योजनाओं के अंतर्गत 4,985.35 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। वहीं, समूह जलप्रदाय योजनाओं के लिए 1,690.94 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इसके अलावा, सपोर्ट मद में 136.18 करोड़ रुपये तथा जल गुणवत्ता जांच संबंधी कार्यों के लिए 24.04 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। विभागीय जानकारी के मुताबिक, चालू वित्तीय वर्ष में एकल ग्राम योजनाओं के भुगतान के लिए 612 करोड़ रुपये का आबंटन प्राप्त हुआ है। इसमें से अब तक 162.46 करोड़ रुपये का आबंटन जारी किया जा चुका है। शेष राशि के संबंध में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार भुगतान की कार्रवाई की जा रही है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, जल जीवन मिशन के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं के लिए भुगतान की प्रक्रिया निरंतर जारी है।

मवेशी तस्करी मामले में दो फरार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। मवेशियों की तस्करी के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को पामगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस मामले में पुलिस पूर्व में एक आरोपी को गिरफ्तार कर चुकी है। कार्रवाई के दौरान पहले 7 भैंसी और 12 भैंस सहित कुल 19 मवेशी जब्त किए गए थे, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 2.50 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 6 अक्टूबर 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम बोरसी निवासी रामसागर महिलांगे उर्फ ढुलू (55) अपने साथियों के साथ मवेशियों को मारते-पीटते और बिना चारा-पानी के हांकते हुए ग्राम डोंगाकोहरौद की ओर ले जा रहा है।

किसानों की हित में फैसलों से मजबूत हो रही छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था

इस वर्ष जनजातीय गौरव दिवस 15 नवम्बर से शुरू होगा धान खरीदी

- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में अन्नदाता के सम्मान से बदल रहा छत्तीसगढ़ का कृषि परिदृश्य
- तीन वर्षों में लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी किसानों को 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की पहचान देश के धान के कटोरे के रूप में है। यहां की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन का मजबूत आधार कृषि और किसान हैं। किसानों की समृद्धि को प्रदेश के विकास का आधार मानते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बीते तीन वर्षों में कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने, आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने, खेती को आधुनिक बनाने और कृषि व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के प्रयासों का व्यापक असर दिखाई दे रहा है। बीते तीन वर्षों में लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी और किसानों को 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था में धान खरीदी के महत्व को रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में लगभग 144.92 लाख मीट्रिक टन और वर्ष 2024-25 में लगभग 149.25 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई। वर्ष 2025-26 में भी लगभग 142 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन हुआ। इन तीन खरीफ सीजन में लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई और किसानों को लगभग 1.40 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। यह व्यवस्था किसानों को उनकी



उपज का मूल्य उपलब्ध कराने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही है। किसानों के हित में मंत्रिपरिषद ने खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। इस वर्ष 27.50 लाख से अधिक किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदा जाएगा। किसानों की सुविधा के लिए एग्रीस्टैक आईडी वाले पिछले वर्ष के पंजीकृत किसानों को पुन: पंजीयन से छूट दी गई है। उन्हें धान विक्रय के लिए समिति में ऋण पुस्तिका लाने की आवश्यकता भी नहीं होगी। डिजिटल क्रॉप सर्वे से रकबे का ऑनलाइन निर्धारण और बायोमेट्रिक आधारित खरीदी से पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। इस वर्ष 360 नए उपार्जन केंद्र शुरू होने से प्रदेश में कुल 3100 केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी होगी। किसानों को आर्थिक संबल देने के लिए संचालित कृषक उन्नति योजना के तहत खरीफ 2023 से खरीफ 2025 तक लगभग 25.52 लाख किसानों को 35,904.90 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। धान के स्थान पर अन्य लाभकारी फसल लेने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए सहायता राशि 11 हजार रुपये से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत प्रदेश के किसानों को अब तक 12,267.39 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की जा चुकी है। कृषि को आधुनिक और लाभकारी बनाने के लिए वर्ष 2024-25 से अब तक 8,567 कृषि यंत्र उपलब्ध कराए गए हैं तथा 678 फार्म मशीनरी बैंक स्थापित किए गए हैं। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत 46,615 हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई का विस्तार हुआ है और किसानों को 201.07 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है।

होम-स्टे और डिजिटल मार्केटिंग से आत्मनिर्भर बनेंगे जनजातीय

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के जनजातीय अंचलों में पर्यटन को आजीविका से जोड़ने के उद्देश्य से सरगुजा, जशपुर, कबीरधाम और बस्तर जिले के हितग्राहियों को होम-स्टे संचालन और डिजिटल मार्केटिंग का प्रशिक्षण दिया गया। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय परिवारों, युवाओं और महिला समूहों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर विकसित करना और जनजातीय संस्कृति को पर्यटन के माध्यम से नई पहचान दिलाना है। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (टीआरटीआई), नवा रायपुर द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। 28 अक्टूबर को टीआरटीआई परिसर में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल और भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), रायपुर के तकनीकी सहयोग से एक दिवसीय राज्य स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। टीआरटीआई की संचालक हिना अनिमेष नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक खान-पान, जीवनशैली और प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। होम-स्टे के माध्यम से स्थानीय परिवार अपनी परंपराओं को संरक्षित रखते हुए आय के नए साधन विकसित कर सकते हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। प्रशिक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग की विशेषज्ञ डॉ. शुभदा चतुर्वेदी ने होम-स्टे नीति, पंजीयन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों, निर्धारित मानकों और उपलब्ध अनुदान सहायता की जानकारी दी। आईआईएम रायपुर की विशेषज्ञ तौशीफ आयशा अंसारी ने होम-स्टे को सफल व्यवसाय के रूप में विकसित करने के तरीके बताए। उन्होंने स्वच्छता, अतिथि सत्कार, कमरों के रखरखाव और पर्यटकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के महत्व पर जोर दिया। डिजिटल मार्केटिंग सत्र में विशेषज्ञ ज्योतिर्मय देवांगन ने सोशल मीडिया, ऑनलाइन ट्रैवल पोर्टल और डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग की जानकारी दी।

बाइक अनियंत्रित होकर नाले में गिरी युवक की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नेहरू चौक के पास रात बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नाले में गिर गई। हादसे में 30 वर्षीय युवक मनीष कुमार सेंद्रे की मौत हो गई। घायल युवक को राहगीरों की मदद से नाले से निकालकर सिम्स अस्पताल पहुंचाया गया था, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, मनीष सकरी क्षेत्र के गोकुलधाम में रहता था और मूल रूप से मुंगेली जिले के चिल्फी थाना क्षेत्र का निवासी था। मंगलवार को वह किसी काम से सरकंडा क्षेत्र के ग्राम लगरा गया था। देर रात घर लौटते समय नेहरू चौक के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने उसे नाले से बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

भाजपा के लोकतंत्र बचाओ अभियान पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के बचाव के लिए चलाया जा रहा अभियान

रायपुर। संवाददाता



मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित वोट चोरी के मुद्दे पर कांग्रेस ने भाजपा और चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने आरोप लगाया कि भाजपा का 'लोकतंत्र बचाओ अभियान' मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के बचाव के लिए चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों को लेकर कांग्रेस और इंडिया गठबंधन 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली आयोजित करेंगे। 29 अक्टूबर को जारी प्रेस विज्ञप्ति में शुक्ला ने दावा किया कि मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मुद्दे पर युवा, छात्र, विपक्षी दल और आम नागरिक एकजुट हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ में विशेष पुनरीक्षण के नाम पर गरीबों, किसानों, मजदूरों और आदिवासियों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। कांग्रेस ने इसे लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा मुद्दा बताया है। सुशील आनंद शुक्ला ने भाजपा के 'लोकतंत्र बचाओ अभियान' पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि पार्टी कथित वोट चोरी के मुद्दे से ध्यान हटाने और मुख्य चुनाव आयुक्त का बचाव करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम काटे जाने के मामलों की जांच होनी चाहिए और प्रभावित मतदाताओं के नाम बहाल किए जाने चाहिए। कांग्रेस ने भाजपा और चुनाव आयोग के बीच गठबंधन होने का आरोप भी लगाया है। हालांकि, ये आरोप कांग्रेस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में लगाए गए हैं। कांग्रेस के मुताबिक, 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित रैली में छत्तीसगढ़ के सभी जिलों से पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे।

मखाना की खेती से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ छत्तीसगढ़ की महिलाएं

रायपुर। संवाददाता

धमतरी जिले में कृषि विविधीकरण और ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने की दिशा में मखाना की खेती नई संभावनाएं पैदा कर रही है। तालाबों में मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने की पहल अब परिणाम देने लगी है। इसी कड़ी में ग्राम छाती और डांडेसरा में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा 29 एकड़ क्षेत्र में उत्पादित मखाना का संग्रहण शुरू हो गया है। साथ ही, महिलाओं को मखाना के संग्रहण और संग्रहण-पश्चात प्रबंधन की वैज्ञानिक तकनीकों का प्रशिक्षण देने की तैयारी की जा रही है। इससे उपज की गुणवत्ता, प्रसंस्करण और बाजार में बेहतर मूल्य मिलने की संभावनाएं बढ़ेंगी। केंद्र सरकार की सेंट्रल सेक्टर स्कीम फॉर डेवलपमेंट ऑफ मखाना के तहत वर्ष 2025-26 में धमतरी जिले को तालाबों में मखाना की खेती के लिए 165 एकड़ का लक्ष्य दिया गया था। इसके मुकाबले जिला प्रशासन और उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन में 105 एकड़ क्षेत्र में मखाना की खेती शुरू की गई। ग्राम राखी, छाती, डांडेसरा और पीपरछेड़ी के साथ नगरी विकासखंड के ग्राम सांकरा में भी इस फसल को बढ़ावा दिया जा रहा है। ग्राम छाती और डांडेसरा में शैलपुत्री स्व-सहायता समूह तथा नई किरण स्व-सहायता समूह की महिलाओं के लिए 26 अक्टूबर को मखाना संग्रहण की शुरुआत और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर ग्राम छाती-सेनचुवा की सरपंच श्रीमती दानेश्वरी साहू, श्री जितेन्द्र कुमार साहू, पंचगण, कृषि विज्ञान केंद्र की विशेषज्ञ श्रीमती दीपिका चंद्रवंशी, उप संचालक उद्यानिकी श्रीमती पूजा कश्यप साहू, उद्यान विकास अधिकारी श्री राहुल साहू और ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी श्री नर्मदा प्रसाद भारती उपस्थित रहे। उप संचालक उद्यानिकी श्रीमती पूजा कश्यप साहू ने बताया कि महिला समूहों को कृषि विज्ञान केंद्र, धमतरी में आगामी दिनों में मखाना के संग्रहण-पश्चात प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में उपज की उचित देखभाल, प्रसंस्करण और गुणवत्ता बनाए रखने की तकनीकों की जानकारी दी जाएगी, ताकि महिलाएं इस गतिविधि को आजीविका और उद्यमिता के रूप में आगे बढ़ा सकें।

अर्नब' तूफान से फसल क्षति का कृषि विभाग व बीमा कंपनी की संयुक्त टीम द्वारा सर्वे शुरू

रायपुर। चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव और बेमौसम बारिश से जिले में फसलों को पहुंचे नुकसान का आकलन करने के लिए कृषि विभाग तथा फसल बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों की संयुक्त टीम द्वारा आज 31 अक्टूबर से सघन सर्वे कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिले के समस्त तहसीलों में सर्वे का काम तेज गति से जारी है और प्रारंभिक चरण में अब तक 180 कृषकों के खेतों का सर्वे कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कृषि विभाग के उप संचालक ने बताया कि चक्रवाती तूफान 'अर्नब' से फसल क्षति होने पर जिले के 3622 किसानों द्वारा फसल बीमा के टोल-फ्री नंबर 14447 पर अपनी सूचना दर्ज कराई गई है। फसल कटाई के उपरांत खेत में सुखाने के लिए फैलाकर रखी हुई अथवा छोटे बंडलों में बंधी अधिसूचित फसलों को ओला, चक्रवात, चक्रवाती वर्षा एवं बेमौसम बारिश जैसी प्राकृतिक आपदाओं से नुकसान होने पर नियमानुसार बीमित कृषकों को क्षतिपूर्ति दावा राशि संबंधित बीमा कंपनी द्वारा प्रदान की जाएगी। शासन स्तर से बीमा कंपनियों को सूचना प्राप्त होने के 10 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से सर्वे कार्य पूर्ण कर दावा राशि का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

संस्कारधानी स्ट्राइकर्स छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले फाइनलिस्ट बने, न्यायधानी नाइट्स को 6-3 से हराया



रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का पहला सेमीफाइनल मुकाबला पूरे टूर्नामेंट के सबसे बेहतरीन मैचों में से एक रहा। आज खेले गए पहले सेमीफाइनल में संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने न्यायधानी नाइट्स को 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। दोनों टीमों ने शानदार कौशल का प्रदर्शन किया और कोई भी टीम पीछे हटने को तैयार नहीं थी। हालांकि कमजोर मानी जा रही (अंडरडॉग) संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने अंतत: जीत हासिल की। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी श्री श्रेयांश जायसवाल, 'नईदुनिया' के संपादक श्री सतीश चन्द्र श्रीवास्तव, आईबीसी-24 के प्रबंध संपादक श्री विश्वेश ठाकरे, एनटीपीसी के जीएम श्री प्रवीण गर्ग, सारडा के प्लांट हेड श्री मनोज शाह और एसबीआई के मुख्य प्रबंधक श्री गौरव यादव भी पहला सेमीफाइनल देखने स्टेडियम पहुंचे थे। सेमीफाइनल में स्ट्राइकर्स चौथी क्वालीफायर टीम के रूप में पहुंची थी, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी नाइट्स पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर थे। न्यायधानी नाइट्स लीग चरण में एक भी मैच नहीं हारी थी। उन्होंने स्ट्राइकर्स को भी लीग मैच में 5-3 से हराया था। पहले सेमीफाइनल में स्ट्राइकर्स ने पहले क्वार्टर में ही अपना खाता खोल लिया। शाहरुख ने एक शानदार फ्लिक के जरिए गोल किया, जो पोस्ट के दाहिने कोने में जाकर लगा। इसके कुछ ही देर बाद, नाइट्स के आदर्श ने एक फील्ड गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। 15 मिनट पूरे होने से ठीक पहले न्यायधानी नाइट्स को अपना दूसरा गोल मिला। मिडफील्ड से मिली गेंद को चिराग ने स्ट्राइकर्स के सभी डिफेंडरों को छकाते हुए गोल में बदल दिया। दूसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमों ने उसी गति से खेलना जारी रखा, और इस दौरान गोलों की झड़ी लग गई। आशीष तानी पूर्ति ने पेनल्टी कॉर्नर के ज़रिए लीग में अपना 13वां गोल किया और सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। इसके कुछ देर बाद, 24वें मिनट में अरबाज अली ने शानदार खेल दिखाते हुए अपना पहला गोल किया। तीसरे क्वार्टर में शाहरुख ने नाइट्स के कुछ डिफेंडरों को छकाते हुए एक फील्ड गोल किया और स्कोर बराबर कर दिया। इसके कुछ ही समय बाद, जब शमशेर एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने से चूक गए, तो शाहरुख ने रिबाउंड पर गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी कर ली। आखिरी क्वार्टर में आर्यन जेस ने अपनी टीम के लिए पांचवां गोल करके मुकाबले को एकतरफा कर दिया। उन्हें सर्कल के अंदर एक बेहतरीन पास मिला, जिसे उन्होंने बड़ी सफाई से गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। रही-सही कसर ओम कुमार यादव ने पूरी कर दी। उन्होंने निशांत तिर्की के साथ मिलकर टीम की बढ़त को 6-3 तक पहुंचा दिया।

सरदार पटेल के आदर्शों पर चलकर सुरक्षित, समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण हमारा संकल्प

नक्सलवाद के विरुद्ध ऐतिहासिक सफलता से बस्तर में शांति-उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

- लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस परेड समारोह में शामिल हुए गृह मंत्री श्री विजय शर्मा

रायपुर/ संवाददाता



लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर आज छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की चौथी वाहिनी, माना में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने परेड की सलामी ली, मार्च पास्ट का अवलोकन किया तथा उपस्थित जनसमूह को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सुरक्षा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और कुशल नेतृत्व से 560 से अधिक देशी रियासतों का भारतीय संघ में एकीकरण कर अखंड भारत की आधारशिला रखी। उनका जीवन हमें सिखाता है कि राष्ट्रीय एकता केवल भौगोलिक सीमाओं का एकीकरण नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्र के प्रति विश्वास, समर्पण और साझा जिम्मेदारी की भावना का निर्माण भी है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के आदर्श आज भी देश की एकता, अखंडता और आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस का यह अवसर छत्तीसगढ़ के लिए विशेष महत्व रखता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ ने नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। एक समय देश के 126 जिले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित थे। आज केंद्र एवं राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और स्थानीय जनता के सहयोग से नक्सलवाद के प्रभाव को समाप्त करने की दिशा में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है।

संपादकीय

पैरा एशियाड में दिखी दिव्यांगों की दिव्यता

जापान के आईची-नागोया में संपन्न पैरा एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने नया इतिहास रचा है। अब तक हुए पैरा एशियन खेलों में हमारे खिलाड़ियों का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में तीस स्वर्ण व पैंतीस रजत पदकों समेत कुल 114 पदक भारत की झोली में डाले। जबकि 2023 के पैरा एशियन गेम्स में एक बड़े दल ने 108 मेडल ही जीते थे। इस बार के खिलाड़ियों का दल पिछले के मुकाबले छोटा था, मगर उपलब्धियां बड़ी रही। एक ओर जहां जापान में संपन्न एशियाई खेलों में भारतीय दल पांचवें स्थान पर रहा था, वहीं पैरा खिलाड़ियों की कामयाबी ने देश को एशिया में चौथे नंबर का विजेता बनाया है। आईची-नागोया में संपन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने कई नए रिकॉर्ड बनाये और कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं। जापान में पहली बार आयोजित इन खेलों में एशिया के 45 देशों व क्षेत्रों के चार हजार खिलाड़ी व कोच आदि शामिल थे। इन खेलों का पहला संस्करण वर्ष 2010 में चीन के ग्वांगझू में आयोजित हुआ था। निश्चय ही भारतीय खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, लगन व आत्मविश्वास से यह असामान्य कामयाबी हासिल की है। इन खिलाड़ियों की यह सफलता हर किसी भारतीय के लिये प्रेरणादायक है कि किसी भी तरह की शारीरिक अपूर्णता हमारे इरादों को कमजोर नहीं कर सकती है। हमें हर चुनौती में सकारात्मक रहते हुए अपने लक्ष्य हासिल करने चाहिए। हम बड़े सपने देख सकते हैं और कड़ी मेहनत व लगन से उन्हें हकीकत में बदल सकते हैं।आईची-नागोया में संपन्न पैरा एशियाड खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने हर क्षेत्र में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करवायी है। पैरा एथलेटिक्स खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। जिसमें कुल पैंसठ पदक जीते गए। इसके अलावा पदकों के अनुपात में यह कामयाबी बैडमिंटन, तैराकी और तीरंदाजी में रही। वहीं निशानेबाजी,टेबल-टेनिस, जूडो और पावरलिफ्टिंग में भी हमने पदक जीते। इन्हीं कामयाबियों से हम अब तक के पैरा एशियन गेम्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब रहे। कल्पना की जा सकती है कि हमारे पैरा खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिये कितनी मेहनत की होगी। एक तो विभिन्न किस्म की शारीरिक चुनौतियों व अपूर्णताओं से जूझना और फिर एशिया स्तर तक के मुकाबले के लिये योग्यता हासिल करना। कहावत है कि 'सुबह जिसकी हुई, वह सचमुच सारी रात नहीं सोया होगा।' कहने का अभिप्राय यह है कि जब किसी व्यक्ति को कोई सफलता मिलती है तो उसके पीछे उसका लंबा त्याग, संघर्ष और मेहनत शामिल होती है। खासकर उस समाज में जहां दिव्यांगों को हेय भाव से देखा जाता है। हमारा सामाजिक ढांचा अब तक ऐसा नहीं बन पाया है।

जंतर-मंतर पर प्रतिबंध, फिर भी सड़कों पर आंदोलन

विपक्ष का काम केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करना और जनता के सामने वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करना भी है। यदि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाता है, तो उसे ठोस साक्ष्य, व्यवस्थित शिकायतें और तथ्यात्मक तर्क सामने रखने चाहिए। केवल नारों और राजनीतिक आरोपों से जनता का विश्वास लंबे समय तक कायम नहीं रखा जा सकता। साथ ही, सरकार को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की हर आलोचना को राजनीतिक षड्यंत्र बताकर खारिज कर देना समस्या का समाधान नहीं है।

सौरभ वार्ष्णेय

वोट चोरी के आरोपों से शुरू हुआ आंदोलन, सरकार की जवाबदेही, विपक्ष की भूमिका और युवाओं की बेचैनी के बीच लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने कई सवाल खड़े कर रहा है। देश में चुनावी पारदर्शिता और कथित वोट चोरी को लेकर शुरू हुआ आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। दो अक्टूबर से शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक माहौल लगातार गर्म बना हुआ है। जंतर-मंतर जैसे निर्धारित स्थानों पर प्रदर्शन से संबंधित प्रतिबंधों और प्रशासनिक सीमाओं के बीच आंदोलन की आवाज सड़कों तक सुनाई दे रही है।

विपक्षी दलों के साथ युवाओं की भागीदारी और स्वतंत्र रूप से अपनी बात रखने वाले यूट्यूबरों तथा डिजिटल पत्रकारों की सक्रियता ने इस मुद्दे को एक नया आयाम दिया है। सवाल यह है कि क्या इस आंदोलन को केवल राजनीतिक विरोध के रूप में देखा जाना चाहिए, या फिर इसके पीछे लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास से जुड़ी चिंताओं को भी समझने की आवश्यकता है?

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां चुनाव केवल सरकार बनाने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की इच्छा व्यक्त करने का सबसे महत्वपूर्ण अवसर हैं। मतदाता अपने मत के जरिए सत्ता को स्वीकार करता है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदलने का अधिकार भी रखता है। इसलिए चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर उठने वाले सवालों को गंभीरता से सुनना लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। हालांकि, वोट चोरी जैसे गंभीर आरोपों को प्रमाणों और तथ्यों के आधार पर परखा जाना भी उतना ही आवश्यक है। आरोप लगाना और आरोप सिद्ध होना दो अलग-अलग बातें हैं। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि न तो सवाल पूछने वालों को बिना सुने खारिज किया जाए और न ही बिना प्रमाण किसी आरोप को अंतिम सत्य मान लिया जाए।

किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के सामने विरोध प्रदर्शनों से निपटने की चुनौती रहती है। सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन का दायित्व है, लेकिन इस जिम्मेदारी का निर्वहन करते समय नागरिकों के शांतिपूर्ण विरोध और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान भी जरूरी है। यदि किसी स्थान पर सुरक्षा, यातायात या कानून-व्यवस्था से संबंधित प्रतिबंध लगाए जाते हैं, तो उनके पीछे स्पष्ट कारण होने चाहिए और उनका पालन निष्पक्ष तरीके से कराया जाना चाहिए।

सरकार की आलोचना करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को व्यवस्था विरोधी मान लेना उचित नहीं है। उसी प्रकार आंदोलन के नाम पर कानून तोड़ने या आम नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित करने को भी सही नहीं ठहराया जा सकता। लोकतंत्र में सरकार और प्रदर्शनकारियों, दोनों से जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा की जाती है।

यदि आंदोलन को लेकर यह धारणा बनती है कि सरकार असहमति की आवाज को



जनता तक पहुंचने से रोकना चाहती है, तो इससे राजनीतिक अविश्वास बढ़ सकता है। दूसरी ओर, यदि आंदोलनकारी तथ्यों के बजाय केवल भावनाओं के आधार पर दावे करते हैं, तो उनकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। बेहतर रास्ता यही है कि चुनावी शिकायतों की निष्पक्ष जांच हो, संबंधित संस्थाएं तथ्यों के साथ जवाब दें और जनता के सामने स्थिति स्पष्ट की जाए। विपक्ष का काम केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करना और जनता के सामने वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करना भी है।

यदि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाता है, तो उसे ठोस साक्ष्य, व्यवस्थित शिकायतें और तथ्यात्मक तर्क सामने रखने चाहिए। केवल नारों और राजनीतिक आरोपों से जनता का विश्वास लंबे समय तक कायम नहीं रखा जा सकता।

साथ ही, सरकार को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की हर आलोचना को राजनीतिक षड्यंत्र बताकर खारिज कर देना समस्या का समाधान नहीं है। लोकतंत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी अवश्य हैं, लेकिन दोनों की जवाबदेही अंततः जनता के प्रति है। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता भी इसी में है कि उसके निर्णयों, प्रक्रियाओं और शिकायत निवारण व्यवस्था पर जनता का भरोसा बना रहे।

इस आंदोलन के बीच यूट्यूबरों और स्वतंत्र डिजिटल पत्रकारों की भूमिका विशेष रूप से ध्यान खींचती है। पहले समाचारों और राजनीतिक विमर्श पर मुख्यधारा के मीडिया संस्थानों का अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव था, लेकिन इंटरनेट और सोशल मीडिया ने आम नागरिकों को भी अपनी बात व्यापक स्तर पर रखने का अवसर दिया है।

आज कोई युवा घटनास्थल से वीडियो साझा कर सकता है, किसी सरकारी दावे की पड़ताल कर सकता है और उन मुद्दों को सामने ला सकता है जिन्हें पर्याप्त जगह नहीं मिल रही हो। यह बदलाव लोकतंत्र के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। स्वतंत्र डिजिटल पत्रकारिता सत्ता से सवाल पूछने और जनता की समस्याओं को सामने लाने में उपयोगी हो सकती है। लेकिन हर यूट्यूबर स्वतः पत्रकार नहीं बन जाता। विश्वसनीय पत्रकारिता के लिए तथ्यों की पुष्टि, दोनों पक्षों को सुनना, स्रोतों की जांच करना और गलत सूचना फैलाने से बचना अनिवार्य है। वायरल होना और विश्वसनीय होना अलग-अलग बातें हैं।

युवाओं की अपेक्षाएं बदल रही हैं। वे केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि उनके परिणाम भी देखना चाहते हैं। वे जानना चाहते हैं कि रोजगार के अवसर कितने बढ़े, शिक्षा कितनी सुलभ हुई, सरकारी संस्थाओं में पारदर्शिता कितनी मजबूत हुई और उनकी समस्याओं पर कितनी गंभीरता से कार्रवाई की गई। यह जरूरी नहीं कि आंदोलन में शामिल प्रत्येक युवा किसी एक राजनीतिक विचारधारा का समर्थक हो। कई बार असंतोष का कारण किसी दल के प्रति समर्थन या विरोध से अधिक अपने भविष्य को लेकर चिंता होती है।

सरकार के लिए यह अवसर है कि वह युवाओं की शिकायतों को सुने, उपलब्धियों के साथ कमियों पर भी स्पष्टता से बात करे और ठोस नीतिगत समाधान सामने रखे।

वोट चोरी के आरोपों से जुड़े आंदोलन का वास्तविक निष्कर्ष नारों, रैलियों या राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि तथ्यों, जांच और संस्थागत पारदर्शिता से निकलेगा। जंतर-मंतर पर प्रतिबंध हो या सड़कों पर विरोध, लोकतंत्र की असली परीक्षा इस बात में है कि असहमति के लिए कितनी जगह बची है और सवालों के जवाब कितनी ईमानदारी से दिए जाते हैं।

आखिरकार, लोकतंत्र केवल बहुमत से सरकार बनाने का नाम नहीं है। वह जनता के विश्वास, संस्थाओं की निष्पक्षता और नागरिकों के सवाल पूछने के अधिकार से भी मजबूत होता है।

भगवान केवल आस्था नहीं, अनुभूति और चिंतन का विषय

यशवंत गोरे

पांडुरंगशास्त्री आठवले का मानना था कि ईश्वर केवल आकाश में या मंदिरों में नहीं, बल्कि प्रत्येक मनुष्य के हृदय में विराजमान है। मनुष्य के भीतर मौजूद इसी ईश्वर पर विश्वास रखने और हर व्यक्ति में ईश्वर का अंश देखने का संदेश देने वाले दादाजी ने स्वाध्याय आंदोलन के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। उनका निधन 25 अक्टूबर 2003 को हुआ था। उनकी पुण्यतिथि पर उनके विचारों और समाज के लिए किए गए कार्यों को याद करना, वास्तव में मनुष्य के भीतर छिपी अच्छाइयों को पहचानने का अवसर है।

पांडुरंगशास्त्री आठवले का जन्म 19 अक्टूबर 1920 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के रोहा में हुआ था। उनके पिता वैजनाथ शास्त्री संस्कृत के विद्वान और व्याकरण के ज्ञाता थे। उनके दादा लक्ष्मणशास्त्री भी विद्वान होने के साथ समाज सुधार की भावना रखते थे। वे हरिजन बस्तियों में जाकर लोगों को ज्ञान और सद्विचारों से जोड़ते थे। ऐसे पारिवारिक संस्कारों ने दादाजी के व्यक्तित्व को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बचपन से ही दादाजी की रुचि भारतीय दर्शन, संस्कृत और भगवद्गीता में थी। उन्होंने न्याय, व्याकरण और भारतीय दर्शन का गहरा अध्ययन किया। आधुनिक ज्ञान-विज्ञान और विभिन्न विचारधाराओं को भी समझा। उनका उद्देश्य केवल विद्वान बनना नहीं था, बल्कि ज्ञान को आम आदमी के जीवन से जोड़ना था। उन्होंने भगवद्गीता के विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लिया। उनका मानना था कि धर्म का उद्देश्य केवल पूजा-पाठ और कर्मकांड तक सीमित नहीं होना चाहिए। धर्म मनुष्य के व्यवहार में दिखाई देना चाहिए। उसके विचारों और कर्मों से समाज में प्रेम, आत्मीयता और समानता बढ़नी चाहिए।

दादाजी ने अक्टूबर 1955 में ठाणे में तत्वज्ञान विद्यापीठ की स्थापना की। यहां भारतीय दर्शन और संस्कृति के अध्ययन के साथ समाज को जागरूक करने का कार्य भी शुरू हुआ। विभिन्न वर्गों के लोगों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में धर्म, संस्कृति, भारतीय दर्शन और जीवन-मूल्यों पर चर्चा होती थी। मार्च 1958 में उन्होंने 18 युवा स्नातकों के साथ 'भक्तिफेरी' का प्रयोग शुरू किया। इसके अंतर्गत स्वाध्यायी गांव-गांव जाकर लोगों से मिलते, उन्हें भगवद्गीता और उपनिषदों के विचारों से परिचित कराते तथा आत्मसम्मान और आपसी भाईचारे का संदेश देते थे। इस कार्य की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि स्वाध्यायी जिन गांवों में जाते, वहां के लोगों पर आर्थिक बोझ नहीं डालते थे। वे बिना किसी आर्थिक अपेक्षा के सेवा करते थे। दादाजी के लिए भक्ति का अर्थ केवल ईश्वर के सामने सिर झुकाना नहीं, बल्कि ईश्वर की बनाई हुई सृष्टि और उसके प्रत्येक मनुष्य के प्रति प्रेम रखना था।

दादाजी ने आध्यात्मिक विचारों को व्यावहारिक जीवन से जोड़ने के लिए अनेक प्रयोग किए। 'योगेश्वर कृषि', 'वृक्ष मंदिर', 'मत्स्यगंधा' और 'लोकनाथ अमृतालय' जैसे उपक्रमों के माध्यम से लोगों को सामूहिक श्रम, सहयोग और आत्मनिर्भरता की प्रेरणा दी गई। 'वृक्ष मंदिर' योजना के अंतर्गत स्वाध्याय परिवार वालों ने शासन से हजारों एकड़ बंजर जमीन पट्टे पर लेकर वृक्ष लगाए। इससे पर्यावरण संरक्षण में भी सहायता मिली उनका मानना था कि वृक्ष में भगवान हैं... यह केवल आस्था नहीं, अनुभूति और चिंतन का विषय है। उनका कहना था कभी एक पल वृक्ष के पास बैठकर सोचिए...हम जड़ों में पानी देते हैं, लेकिन वही जल धरती से ऊपर उठकर शाखाओं और पत्तों तक कैसे पहुँचता है? एक विशाल वृक्ष बिना किसी स्वार्थ के हमें छाया देता है, प्राणवायु देता है, फल-फूल देता है और जीवन को सहारा देता है। वृक्ष कहता है: 'मेरी छांव में थोड़ा बैठिए, आपको शांति मिलेगी और मुझे आपका साथ।' परम पूज्य पांडुरंग शास्त्री आठवलेजी द्वारा प्रेरित 'वृक्ष मंदिर' का भाव हमें प्रकृति में परमात्मा की अनुभूति करने, वृक्षों से प्रेम करने और उनकी सेवा व रक्षा करने की प्रेरणा देता है। 'योगेश्वर कृषि' के माध्यम से खेती को सामूहिक भक्ति और सामाजिक सहयोग से जोड़ने का प्रयास हुआ। 'मत्स्यगंधा' प्रयोग में मछुआरा समुदाय के लोगों को अपनी आजीविका और सामूहिक विकास के लिए प्रेरित किया गया। वृक्ष मंदिर जैसे प्रयोगों ने प्रकृति के प्रति सम्मान और सामाजिक एकता की भावना को मजबूत किया। इन प्रयोगों का उद्देश्य केवल आर्थिक समृद्धि नहीं था। दादाजी चाहते थे कि लोगों में यह भावना विकसित हो कि वे समाज पर बोझ नहीं, बल्कि समाज की शक्ति हैं।

फिर हवा खराब: प्रदूषण की लौटती समस्या और हमारी जिम्मेदारी

बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएँ तथा पहले से हृदय या फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोग विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं। प्रदूषण के दिनों में खाँसी, आँखों में जलन, सांस लेने में परेशानी और अस्थमा के लक्षण बढ़ सकते हैं। इसका प्रभाव शिक्षा, कामकाज और जीवन की गुणवत्ता पर भी पड़ता है। जब बच्चे खुले मैदान में खेलने से बचने लगें, बुजुर्ग सुबह की सैर न कर सकें और लोगों को सामान्य गतिविधियाँ सीमित करनी पड़ें, तो यह केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का संकट बन जाता है।

डॉ. विजय गर्ग

हवा जीवन का आधार है। मनुष्य भोजन के बिना कई दिन और पानी के बिना कुछ समय तक जीवित रह सकता है, लेकिन हवा के बिना कुछ मिनट भी जीवन की कल्पना करना कठिन है। इसके बावजूद विडंबना यह है कि जिस हवा पर हमारा अस्तित्व निर्भर है, उसी को हम अपनी गतिविधियों से लगातार प्रदूषित कर रहे हैं। हर वर्ष मौसम बदलने के साथ एक बार फिर समाचार सुनाई देने लगते हैं—हवा खराब हो गई है, वायु गुणवत्ता गिर रही है और लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। सवाल उठता है कि आखिर हर साल हवा खराब क्यों हो जाती है और हम इससे स्थायी मुक्ति क्यों नहीं पा रहे हैं?

हर साल लौटता प्रदूषण का संकट

भारत के अनेक शहरों, विशेषकर उत्तर भारत में, सर्दियों के दौरान वायु प्रदूषण गंभीर समस्या बन जाता है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों में धुंध, धुएँ और प्रदूषक कणों का मिश्रण वातावरण को प्रभावित करता है। पराली जलाना इस समस्या का एक कारण है, लेकिन इसे ही संपूर्ण समस्या मान लेना वास्तविकता को अधूरा समझना होगा।

वाहनों से निकलने वाला धुआँ, उद्योगों का उत्सर्जन, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, सड़कों की धूल, कचरा जलाना, घरेलू ईंधन और बिजली उत्पादन से होने वाला प्रदूषण भी हवा की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। सर्दियों में हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ जाता है।

इसलिए हवा की खराब गुणवत्ता किसी एक दिन, एक शहर या एक किसान की समस्या नहीं है। यह हमारी विकास व्यवस्था, ऊर्जा के उपयोग, परिवहन प्रणाली और पर्यावरण के प्रति हमारी सामूहिक लापरवाही से जुड़ी हुई चुनौती है।

पराली: समस्या और समाधान दोनों पर विचार जरूरी

फसल कटाई के बाद खेतों में बची पराली को जल्दी हटाने के लिए कुछ किसान उसे जला देते हैं। सीमित समय, अगली फसल की तैयारी, श्रम की लागत और मशीनों तक पहुंच जैसी समस्याएँ इस व्यवहार को बढ़ावा दे सकती हैं। पराली जलने से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण में योगदान देता है।

लेकिन किसानों को केवल दोषी ठहराने से समस्या हल नहीं होगी। उन्हें सस्ती मशीनें, समय पर सहायता, फसल अवशेष प्रबंधन के व्यावहारिक विकल्प और आर्थिक प्रोत्साहन उपलब्ध कराना आवश्यक है। पराली से जैव-ईंधन, कम्पोस्ट, पशु-आहार के उपयुक्त विकल्प तथा औद्योगिक उपयोग की संभावनाओं को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जहाँ वे तकनीकी और आर्थिक रूप से व्यवहार्य हों।

किसानों को पर्यावरण संरक्षण का भागीदार बनाना होगा, न कि समस्या का अकेला जिम्मेदार।

बच्चों और बुजुर्गों पर अधिक प्रभाव

प्रदूषित हवा का प्रभाव केवल दिखाई देने वाली धुंध तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद सूक्ष्म कण, विशेषकर पीएम 2.5, फेफड़ों में गहराई तक पहुँच सकते हैं। लंबे समय तक इनके संपर्क में रहने से हृदय और श्वसन संबंधी बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है।

बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएँ तथा पहले से हृदय या फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोग विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं। प्रदूषण के दिनों में खाँसी, आँखों में जलन, सांस लेने में परेशानी और अस्थमा के लक्षण बढ़ सकते हैं।

इसका प्रभाव शिक्षा, कामकाज और जीवन की गुणवत्ता पर भी पड़ता है। जब बच्चे खुले मैदान में खेलने से बचने लगें, बुजुर्ग सुबह की सैर न कर सकें और लोगों को सामान्य गतिविधियाँ सीमित करनी पड़ें, तो यह केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का संकट बन जाता है।

केवल सलाह नहीं, ठोस कार्रवाई चाहिए

वायु प्रदूषण के दौरान लोगों को मास्क पहनने, बाहर की गतिविधियाँ कम करने और सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। ये उपाय कुछ परिस्थितियों में उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन इनसे प्रदूषण के मूल कारण समाप्त नहीं होते।

सरकारों को प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करके नियमित निगरानी करनी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाना, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रित करना, कचरा खुले में जलाने पर प्रभावी रोक लगाना और औद्योगिक उत्सर्जन के नियमों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है।

शहरों में केवल पौधे लगाने के अभियानों के बजाय मौजूदा पेड़ों और हरित क्षेत्रों की रक्षा भी जरूरी है। पेड़ पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वे वाहन उत्सर्जन, औद्योगिक धुएँ और खुले में कचरा जलाने का विकल्प नहीं बन सकते। प्रदूषण कम करने के लिए स्रोत पर नियंत्रण सबसे प्रभावी रणनीतियों में से एक है। राज्यों के बीच समन्वय भी आवश्यक है, क्योंकि हवा प्रशासनिक सीमाओं को नहीं मानती। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और अन्य प्रभावित क्षेत्रों को साझा वैज्ञानिक जानकारी, बेहतर योजना और निरंतर कार्रवाई के आधार पर काम करना चाहिए।

नागरिक क्या कर सकते हैं? प्रत्येक नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण है। छोटी-छोटी आदतें मिलकर सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं।

- निजी वाहन के स्थान पर जहाँ संभव हो, सार्वजनिक परिवहन, साइकिल या साझा वाहन का उपयोग करें।
- कचरा, पत्तियाँ और कृषि अवशेष खुले में न जलाएँ।
- बिजली और ईंधन की अनावश्यक खपत कम करें।
- स्थानीय वायु गुणवत्ता सूचकांक की जानकारी रखें और प्रदूषण अधिक होने पर बाहरी गतिविधियों में सावधानी बरतें।
- बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन रोगियों की विशेष देखभाल करें।
- प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों की सूचना संबंधित अधिकारियों को दें और पर्यावरण संबंधी जन-जागरूकता में भाग लें।

प्रदूषण अधिक होने पर अच्छी गुणवत्ता वाला, सही फिटिंग का एन95 या समकक्ष रेस्पिरेटर सूक्ष्म कणों के संपर्क को कम करने में मदद कर सकता है। हालांकि, कोई भी मास्क सभी प्रदूषकों से पूर्ण सुरक्षा नहीं देता।

सर्दी से पहले जागना होगा

हर साल हवा खराब होने पर चिंता व्यक्त करना और कुछ दिनों बाद सब कुछ भूल जाना पर्याप्त नहीं है। यदि प्रदूषण के कारण हर वर्ष वही संकट लौटता है, तो इसका अर्थ है कि हमारे समाधान अभी पर्याप्त प्रभावी नहीं हैं।

स्वच्छ हवा किसी विशेष वर्ग का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की बुनियादी आवश्यकता है। इसे सुनिश्चित करना सरकार, उद्योग, किसानों और आम नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है।

पीएम किसान सम्मान निधि की 24 वीं किस्त

जिले के 72,922 किसानों को मिले 14.63 करोड़

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनासकांठा से देशभर के किसानों के खातों में राशि अंतरित की
- जिला पंचायत और मंडी कार्यालय में कार्यस्त्र5म का सीधा प्रसारण, 100 से अधिक किसान हुए शामिल





सारंगढ़-बिलाईगढ।
प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त के तहत जिले के 72,922 किसानों के बैंक खातों में 14.63 करोड़ की राशि अंतरित की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के बनासकांठा में आयोजित कार्यक्रम से देशभर के पात्र किसानों के खातों में राशि हस्तांतरित की। इस किस्त के रूप में देश के 9.34 करोड़ से अधिक किसानों को लगभग 18,680 करोड़ की सहायता दी गई। योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6,000 की आर्थिक सहायता तीन समान किस्तों में दी जाती है। हर चार माह में 2,000 सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित किए जाते हैं। किसान इस राशि का उपयोग बीज, खाद, कीटनाशक और अन्य कृषि सामग्री खरीदने में कर सकते हैं। योजना का उद्देश्य कृषि निवेश को प्रोत्साहित करना और किसानों को आर्थिक सहयोग देना है। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ऋषिकेश तिवारी के निर्देशानुसार जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में प्रधानमंत्री के कायक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय, उपाध्यक्ष अजय जवाहर नायक, कृषि स्थायी समिति की अध्यक्ष मती अभिलाषा कैलाश नायक, जिला अध्यक्ष ज्योति पटेल और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। उप संचालक कृषि आशुतोष वास्तव सहित कृषि विभाग और अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने भी प्रधानमंत्री का उद्बोधन सुना। किसानों की सहभागिता के लिए मंडी परिसर स्थित मंडी कार्यालय के सभाकक्ष में भी अलग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 100 से अधिक किसान और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। पूर्व विधायक सु कामदा जोल्हे, मंडल महामंत्री शिवम चंद्रा और अनुसूचित जाति मोर्चा के देवेंद्र रात्रे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने वेबकास्ट देखा। कार्यक्रम में किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त और किसान हित में संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। गुजरात में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कृषि अवसंरचना कोष के अंतर्गत विकसित 521 इकाइयां राष्ट्र को समर्पित की गईं तथा 12 हॉर्टिकल्चर क्लस्टर का शुभारंभ किया गया। जिले की ग्राम पंचायतों और प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए।

हॉस्पिटल सेक्टर के 724 परिवारों को वहीं मिले प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ : देवेंद्र यादव



- बीएसपी के लगातार नोटिस जारी करने का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित, विधायक ने कलेक्टर से मिलकर रखी प्रभावित परिवारों की मांग

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने बीएसपी क्षेत्र के हॉस्पिटल सेक्टर में रह रहे परिवारों की समस्याओं को लेकर आज दुर्ग कलेक्टर से मुलाकात की। उन्होंने हॉस्पिटल सेक्टर के रहवासियों को लगातार जारी किए जा रहे बीएसपी के नोटिस और उनके सामने खड़ी हो रही परेशानियों से कलेक्टर को अवगत कराया। साथ ही प्रभावित 724 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ हॉस्पिटल सेक्टर में ही उपलब्ध कराने की मांग रखी। विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि हॉस्पिटल सेक्टर में रहने वाले परिवार लंबे समय से इस समस्या का सामना कर रहे हैं। बीएसपी की ओर से लगातार नोटिस जारी किए जा रहे हैं, जबकि इस पूरे मामले से जुड़ा प्रकरण सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। ऐसे में यहां रहने वाले परिवारों के भविष्य और उनके आवास के अधिकार को लेकर गंभीरता से पहल किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमारी मांग बिल्कुल स्पष्ट है। हॉस्पिटल सेक्टर में रहने वाले 724 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ कहीं दूसरी जगह नहीं, बल्कि हॉस्पिटल सेक्टर में ही मिलना चाहिए। सेक्टर-9 अस्पताल से इस क्षेत्र का सीधा जुड़ाव है। यहां रहने वाले अधिकांश लोग सेक्टर-9 अस्पताल से संबंधित कामकाज से जुड़े हुए हैं। ऐसे में इन परिवारों के लिए इसी क्षेत्र में आवास की व्यवस्था होना जरूरी है।विधायक ने कहा कि उन्होंने कलेक्टर के सामने प्रभावित परिवारों की पूरी समस्या और उनकी मांग रखी है। हमें पूरा विश्वास है कि शासन-प्रशासन जनता की परेशानी को समझते हुए इस मामले में सहयोग करेगा ।

महिला हितैषी ग्राम पंचायत के भौतिक सत्यापन के लिए राष्ट्रीय टीम पहुंची खड़गवां

स्वास्थ्य-शिक्षा और आजीविका गतिविधियों का लिया जायजा





एमसीबी। महिला हितैषी ग्राम पंचायत थीम के अंतर्गत राष्ट्रीय टीम ने ग्राम पंचायत खड़गवां का दौरा कर विभिन्न विकास एवं जन कल्याणकारी गतिविधियों का भौतिक सत्यापन किया। इस दौरान टीम ने महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, आजीविका और आर्थिक स्वावलंबन से जुड़ी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान राष्ट्रीय टीम ने ग्राम पंचायत में जनप्रतिनिधियों, महिला स्व-सहायता समूहों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों और विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर महिला हितैषी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। टीम ने अटल डिजिटल सेवा केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, महिला वार्ड, प्रसव कक्ष और पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। साथ ही महिलाओं को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं और बच्चों के पोषण की स्थिति का जायजा लिया। महिलाओं के स्वरोजगार एवं आर्थिक सशक्तीकरण को लेकर सिलाई केंद्र और रेडीमेड कपड़ों की दुकान का भी निरीक्षण किया गया।

इस दौरान स्व-सहायता समूह की महिलाओं से रोजगार, दुकान संचालन और ऋण अदायगी के संबंध में जानकारी ली गई।इसके अलावा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं स्वामी आत्मानंद विद्यालय पहुंचकर बाल सभा, बच्चों की सहभागिता और बाल हितैषी गतिविधियों की समीक्षा की गई।

राष्ट्रीय टीम के इस दौरे का मुख्य उद्देश्य महिला हितैषी ग्राम पंचायत की दिशा में खड़गवां में किए जा रहे कार्यों का मूल्यांकन करना और महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण एवं आर्थिक सशक्तीकरण की जमीनी स्थिति का आकलन करना रहा।

बिना लिखित आदेश के जेसीबी से उखाड़े गए ट्यूलर खंभे





चिरमिरी। नगर निगम चिरमिरी में एक बार फिर कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। राजीव गांधी पार्क जाने वाले मार्ग पर सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से लगाए गए ट्यूलर खंभों में से दो खंभों को कथित तौर पर जेसीबी की मदद से जमीन से उखाड़ दिया गया। इस कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इन खंभों को हटाने का आदेश किसने दिया और किस आधार पर यह कदम उठाया गया।मिली जानकारी के अनुसार दोनों खंभों को हटाने के लिए किसी प्रकार का लिखित आदेश जारी नहीं किया गया था। वहीं इस संबंध में किसी शिकायत की जानकारी भी सामने नहीं आई है। इसके बावजूद खंभों को हटाने की कार्रवाई किए जाने से नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।इस मामले में नगर निगम के सहायक इंजीनियर विक्टर वर्मा की भूमिका को लेकर सवाल उठ रहेंहैं। बताया जा रहा है कि खंभों को हटाने की कार्रवाई किसके आदेश पर की गई इसकी जानकारी नगर निगम के कार्यपालन अभियंता को भी नहीं है। ऐसे में सवाल यह है कि बिना लिखित आदेश के सार्वजनिक स्थल पर लगाए गए खंभों को हटाने का निर्णय किस स्तर पर लिया गया।मामले को लेकर जब नगर निगम चिरमिरी के महापौर रामनरेश राय से जानकारी ली गई तो उन्होंने कहा कि यदि इस प्रकार की घटना हुई है तो इसकी जांच कराई जाएगी। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा उसके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल इस मामले में जांच और संभावित विभागीय कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। अब देखना होगा कि नगर निगम प्रशासन इस मामले की जांच कब पूरी करता है और जिम्मेदारी तय होने के बाद संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की जाती है।

राशन वितरण में अनियमितता और कम चावल मिलने की शिकायत, प्रशासन ने शुरू की जांच



एमसीबी। राशन वितरण केंद्र पर हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा से कम चावल मिलने और कुछ हितग्राहियों को राशन नहीं मिलने की शिकायतों के बाद संबंधित विभाग एवं प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मीडिया से चर्चा करते हुए जांच अधिकारी तहसीलदार ने बताया कि मौके पर उपलब्ध चावल का स्टॉक, राशन कार्डधारियों की संख्या, अब तक किए गए वितरण और कुल आवंटन की जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही पिछले माह प्राप्त आवंटन और शेष स्टॉक की भी जांच की जा रही है। दुकान संचालक ने पिछले माह भी कम आवंटन मिलने की बात कहते हुए इस संबंध में आवेदन दिए जाने की जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि जांच में यदि आवंटन या वितरण से जुड़ी कोई कमी सामने आती है, तो अतिरिक्त आवंटन जारी करवाकर प्रभावित हितग्राहियों को राशन उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जाएगी। अब जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि राशन वितरण में अनियमितता हुई है या कम आवंटन के कारण हितग्राहियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

बलौदाबाजार के नगर भवन में छत्तीसगढ़िया गीतों और पंथी नृत्यों पर झूमे लोग

सुवा संदेश और सांस्कृतिक महाकुंभ





बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ की माटी की महक, लोक संस्कृति की गूंज और परंपरा का गौरव जब एक मंच पर एक साथ उतरता है, तो दृश्य अद्भुत होता है। कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला बलौदाबाजार के नगर भवन में, जहां 'सुवा संदेश - महक हमार माटी के' भव्य सुवा नाच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, परंपरा और अस्मिता के संरक्षण को समर्पित यह आयोजन सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ने का एक सांस्कृतिक महाकुंभ बन गया। नगर भवन का सभागार खचाखच भरा था, लगभग 1000 से अधिक संस्कृति प्रेमियों की भारी भीड़ ने पहुंचकर अपनी संस्कृति के प्रति अपने अटूट प्रेम का अनूठा उदाहरण पेश किया। सुबह से ही कार्यक्रम स्थल पर उत्सव जैसा माहौल था, ढोल-मांदर की थाप और छत्तीसगढ़ी वेशभूषा में सजे कलाकारों ने पूरे वातावरण को छत्तीसगढ़मय बना दिया था।

दिग्गज अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने बढ़ाई शोभा

कार्यक्रम की भव्यता और गरिमा को और बढ़ाते हुए मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सभापति इशान वैष्णव जी और भाजयुमो प्रदेश कार्यकारिणी के ऊर्जावान सदस्य असीम विश्नोई जी ने विशेष रूप से शिरकत की। मंच पर अतिथियों का आयोजन समिति द्वारा पारंपरिक सुवा माला और श्रीफल से भव्य स्वागत किया गया। उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट से अतिथियों का अभिनंदन किया। अपने उद्बोधन में अतिथियों ने कहा कि ऐसे आयोजन ही हमारी आने वाली पीढ़ी को अपनी समृद्ध संस्कृति से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं।

छत्तीसगढ़ी गीतों और पंथी नृत्य पर झूम उठा पूरा पंडाल

कार्यक्रम का मुख्य और सबसे मनमोहक आकर्षण छत्तीसगढ़ के पारंपरिक सुवा गीत, करमा, ददरिया और संत शिरोमणि बाबा गुरु घासीदास जी के संदेशों से ओत-प्रोत यशस्वी पंथी गीतों पर प्रस्तुतियां रहीं। जैसे ही मंच से मांदर की थाप पर सुवा नाच की टोलियों ने नृत्य शुरू किया, पूरा पंडाल झूम उठा। रंग-बिरंगी साड़ियों में सजी माताओं-बहनों की सुवा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति और उसके बाद युवाओं द्वारा प्रस्तुत जोश से भरे पंथी नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पंथी के सुमधुर और ऊर्जावान गीतों की धुनों पर दर्शक सुध-बुध खोकर झूमने पर मजबूर हो गए। यह दृश्य इस बात का प्रमाण था कि आज का युवा वर्ग आधुनिकता के साथ-साथ अपनी जड़ों और समृद्ध संस्कृति से मजबूती से जुड़ रहा है।

डॉ. चांदनी वर्मा के नेतृत्व में ऐतिहासिक सफलता

इस वृहद और ऐतिहासिक सांस्कृतिक आयोजन की मुख्य सूत्रधार और आयोजक डॉ. चांदनी वर्मा रहीं। एक चिकित्सक होने के साथ-साथ संस्कृति के प्रति उनके समर्पण ने सभी को प्रेरित किया।

ज्योत्सना टोप्पो बनीं मनेंद्रगढ़ नगरपालिका की नई CMO

- अजय राजपूत का पिपरिया तबादला



मनेंद्रगढ। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए मुख्य नगरपालिका अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। इस बदलाव के तहत मनेंद्रगढ़ नगरपालिका परिषद की नई मुख्य नगरपालिका अधिकारी के रूप में ज्योत्सना टोप्पो की नियुक्ति की गई है। वहीं, मनेंद्रगढ़ के पूर्व CMO अजय राजपूत को पिपरिया नगर पालिका की जिम्मेदारी सौंपी गई है।ज्योत्सना टोप्पो इससे पहले बांकी मोंगरा में मुख्य नगरपालिका अधिकारी के पद पर पदस्थ थीं। उनका कोरिया जिले से पुराना प्रशासनिक जुड़ाव रहा है। वह पूर्व में चिरमिरी नगर निगम की आयुक्त और बैकुंठपुर नगर पालिका की ष्टस्क्ष के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। नई जिम्मेदारी मिलने पर ज्योत्सना टोप्पो ने कहा कि वह शासन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ करेंगी। मनेंद्रगढ़ शहर का सुनियोजित विकास, नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने शहर के विकास के लिए जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से सहयोग की अपील भी की। उनकी नियुक्ति से मनेंद्रगढ़ में नगरीय विकास एवं प्रशासनिक कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

बलरामपुर जिले को 202.65 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

स्वर्गीय काका लरंग साय की प्रतिमा का भव्य अनावरण 7 जनसेवा, समर्पण और आदिवासी समाज के उत्थान को नमन

बलरामपुर। ग्राम चिरई-जसवंतपुर, विकासखंड शंकरगढ़, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज सरगुजा अंचल के महान जननेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं जनसेवा के प्रतीक स्वर्गीय काका लरंग साय की प्रतिमा का भव्य अनावरण किया गया। छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से वर्चुअल माध्यम द्वारा प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

जनसेवा की अमर विरासत को नमन-स्वर्गीय काका लरंग साय



जी ने अपना संपूर्ण जीवन गरीबों, वंचितों, आदिवासी समाज के उत्थान और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित किया। विधायक, सांसद एवं मंत्री के रूप में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनका सरल व्यक्तित्व, सहज व्यवहार और जनकल्याण के प्रति समर्पण आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जिले में कुल 2,009 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। 156.68 करोड़ की लागत के 1,863 कार्यों का भूमिपूजन। 45.97 करोड़ की लागत से पूर्ण 146 कार्यों का लोकार्पण। इसके साथ ही शंकरगढ़ में बालक हायर सेकेंडरी स्कूल के नवीन भवन, चांदो में विशाल सामुदायिक भवन तथा स्वर्गीय काका लरंग साय जी की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए प्रतिमा स्थल के समीप भव्य स्मृति द्वार निर्माण की घोषणा भी की गई।

जनसेवा के आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प-कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम जी एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा जिले की प्रभारी मंत्री मती लक्ष्मी राजवाड़े जी ने स्वर्गीय लरंग साय के व्यक्तित्व, कृतित्व और आदिवासी समाज के प्रति उनके योगदान को याद किया। लरंग साय सेवा समिति के अध्यक्ष राम लखन सिंह पैकरा ने अपने उद्बोधन में उनके जीवन से जुड़े प्रेरणादायी प्रसंग साझा किए तथा समिति के उद्देश्यों और समाज के प्रति उसके दायित्वों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का सफल संचालन सहदेव भगत ने किया। लरंग साय सेवा समिति के द्वारा आयोजित जिला स्तरीय फुटबाल मैच प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण में विजेता टीम की 111111 रुपये तथा उपविजेता टीम 55555 रुपये नगद पुरस्कार तथा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियो को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस गरिमामय अवसर पर सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, मेजर अनिल सिंह जी, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरामुनि निकुंज, पूर्व विधायक सिद्धनाथ पैकरा जी, शिवनाथ यादव, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष रामकिशुन सिंह , राम बाई, वबरूर वाहन महाराज से भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल जी शिवशंकर सिंह मरावी मंडल अध्यक्ष विवेक जायसवाल मोहन अग्रवाल अभय पैकरा अमृत सिंह माराबी आनंद जयसवाल सुखनंदन किसान देव नाथ साय उपेन्द सिंह पैकरा गोपाल अग्रवाल विनय भगत चिन्ता भगत गीता पैकरा समिति केसंरक्षक प्रभु राम जी सुखनंदन किसान कोरवा राम जी गुंदराराम सचिव बुधना राम पैकरा कोषाध्यक्ष फुटबाल मैच प्रतियोगिता आयोजन समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र साय, तिलसाय, रघुवीर भगत समेतसभी समाज के हजारों के संख्या में लोग उपस्थित हो कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। स्वर्गीय काका लरंग साय जी की प्रतिमा केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि जनसेवा, सामाजिक समरसता, आदिवासी अस्मिता और जनकल्याण के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उनके विचार और आदर्श आने वाली पीढ़ियों को समाज सेवा तथा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के मार्ग पर निरंतर प्रेरित करते रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी लरंग साय सेवा समिति के सदस्यों पदाधिकारियों जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन के सभी अधिकारियों पुलिस बल एवं पत्रकार साथियों का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद ।

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य विभाग के पर्यवेक्षक दयाशंकर तिवारी को दी गई भावभीनी विदाई



सूरजपुर संवाददाता- स्वास्थ्य विभाग में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देने वाले खंड चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, भैयाथान में पदस्थ पर्यवेक्षक दयाशंकर तिवारी की सेवानिवृत्ति के अवसर पर बतरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री तिवारी के दीर्घकालीन सेवाकाल, कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण एवं विभाग के प्रति उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। इस दौरान उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सुखद सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश सिंह ने श्री तिवारी के सेवाकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका योगदान विभाग के लिए सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने श्री तिवारी के आगामी जीवन के स्वस्थ, सुखमय एवं खुशहाल होने की कामना की। उल्लेखनीय है कि श्री दयाशंकर तिवारी 31 अक्टूबर 2026 को अपनी शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए है। विदाई समारोह में बतरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी डॉ. जे.बी. सिंह, डॉ. सपना जायसवाल, डॉ. एम.एल. कुशवाहा कमलेश तिवारी, धनश्याम गुप्ता, शिवबोध राजवाड़े, मोहर लाल गुप्ता, निखत परवीन सहित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने श्री तिवारी के स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी।

कांग्रेस द्वारा महारैली के समर्थन में गांधी चौक पर एकत्र होकर ज्ञानेश व भाजपा की गुप्त गठबंधन का विरोध किया

अंबिकापुर/1 नवंबर को कांग्रेस द्वारा दिल्ली में आयोजित महारैली के समर्थन में आज सरगुजा जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गांधी चौक पर एकत्र हो ज्ञानेश कुमार और भाजपा के गुप्त गठबंधन के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन किया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आवाह्न किया था कि जो कार्यकर्ता दिल्ली नहीं पहुँच पा रहे हैं वे अपने जिलों में विरोध प्रदर्शन करें। इस परिप्रेक्ष्य में यह प्रदर्शन किया गया। गांधी चौक पहुँच कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गांधी जी की प्रतिमा की सफाई के उपरांत प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं इसके उपरांत मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और भाजपा के गुप्त और नापाक गठबंधन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस सेवादल के प्रदेश महासचिव श्री विनित विशाल जायसवाल जिनके नेतृत्व में यह विरोध प्रदर्शन किया गया ने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता अपने नेता राहुल गांधी के पीछे देश मे तानाशाही समाप्त करने और लोकतंत्र की स्थापना के संघर्ष में सतत रूप से संघर्ष करेगा। इस दौरान श्रीमती मधु दीक्षित, लोकेश कुमार, जमील खान, गुरुप्रीत सिद्धू, लूकस एक्का, चंद्रप्रकाश सिंह, निकी खान, प्रीति सिंह, मालती सिंह, विष्णु सिंहदेव, मो इमरान, तृप्तराज धंजल, अली सोहेल, तीरथ चौधरी, नवनीत तिवारी, मो मुनव्वर खान, शुभेंदु घोष, देवेश त्रिपाठी, चंचला सॉन्डिल्य, मो फरहान, विशा सिन्हा, देविका सिंह, प्रणय बोस, संतोष गुप्ता, छन्नू राम राजवाड़े , मो इरफान आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

स्वास्थ्य विभाग के पर्यवेक्षक दयाशंकर तिवारी को दी गई भावभीनी विदाई

दतिमा मोड़- स्वास्थ्य विभाग में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देने वाले खंड चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, भैयाथान में पदस्थ पर्यवेक्षक दयाशंकर तिवारी की सेवानिवृत्ति के अवसर पर बतरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री तिवारी के दीर्घकालीन सेवाकाल, कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण एवं विभाग के प्रति उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। इस दौरान उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सुखद सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश सिंह ने श्री तिवारी के सेवाकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका योगदान विभाग के लिए सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने श्री तिवारी के आगामी जीवन के स्वस्थ, सुखमय एवं खुशहाल होने की कामना की। उल्लेखनीय है कि श्री दयाशंकर तिवारी 31 अक्टूबर 2026 को अपनी शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए है। विदाई समारोह में बतरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी डॉ. जे.बी. सिंह, डॉ. सपना जायसवाल, डॉ. एम.एल. कुशवाहा कमलेश तिवारी, धनश्याम गुप्ता, शिवबोध राजवाड़े, मोहर लाल गुप्ता।

राशन कार्ड के अभाव में खाद्यान्न से वंचित पहाड़ी कोरवा परिवारों का मामला गरमाया

खबर प्रकाशित होने के बाद खाद्य निरीक्षक पहुंचे घंटा डुगु..... 20-20 किलो मुफ्त राशन दिलाया; जनपद सीईओ और खाद्य निरीक्षक के बयानों में दिखा विरोधाभास

लखनपुर। सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चांदो के आश्रित ग्राम घंटा डुगु में पहाड़ी कोरवा परिवारों को राशन कार्ड के अभाव में सरकारी खाद्यान्न नहीं मिलने का मामला अब प्रशासनिक स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों की खाद्यान्न समस्या को लेकर खबर प्रकाशित होने के बाद खाद्य विभाग हरकत में आया और खाद्य निरीक्षक मौके पर जांच करने पहुंचे। जांच के दौरान संबंधित पहाड़ी कोरवा परिवारों को तत्काल 20-20 किलो राशन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। मामले में दिलचस्प मोड़ तब आया, जब एक ओर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा पहाड़ी कोरवा परिवारों को नियमित राशन मिलने की बात कहते हुए प्रकाशित खबर को भ्रामक बताया गया, वहीं दूसरी ओर खबर के बाद खाद्य निरीक्षक का मौके पर पहुंचना और परिवारों को तत्काल राशन उपलब्ध कराने की व्यवस्था करना कई सवाल खड़े कर रहा है।

आखिर सच्चाई क्या है?

एक तरफपहाड़ी कोरवा परिवार राशन कार्ड नहीं होने के कारण बाजार से खाद्यान्न खरीदकर जीवनयापन करने की परेशानी बता रहे हैं। वहीं प्रशासनिक पक्ष का कहना है कि विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों को नियमित रूप से राशन मिल रहा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि यदि सभी परिवारों को नियमित राशन मिल रहा था, तो फिर शिकायत के बाद खाद्य निरीक्षक को मौके पर जाकर 20-20 किलो राशन दिलाने की आवश्यकता क्यों पड़ी?

बयानों के बीच उलझा खाद्यान्न का मुद्दा



इस पूरे मामले में जनपद सीईओ और खाद्य निरीक्षक के सामने आए अलग-अलग तथ्यों ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिरकार जिन परिवारों को सरकारी योजनाओं के तहत खाद्यान्न मिलना चाहिए, उन्हें राशन कार्ड के अभाव में परेशानियों का सामना क्यों करना पड़ रहा है? क्या इन परिवारों को नियमित राशन मिल रहा था या फिर शिकायत सामने आने के बाद तत्काल व्यवस्था की गई? विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों के खाद्य सुरक्षा से जुड़े इस मामले में अब जरूरत केवल तत्काल 20 किलो राशन उपलब्ध कराने की नहीं, बल्कि सभी पात्र परिवारों के राशन कार्ड बनवाने और उन्हें नियमित खाद्यान्न उपलब्ध कराने की है। अब बड़ा सवाल यह है कि प्रशासन के दावों और पहाड़ी कोरवा परिवारों की जमीनी हकीकत में आखिर कौन-सी बात सही है? इसकी निष्पक्ष जांच और स्थायी समाधान ही इस पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर सामने ला सकता है।

मां पर कुदाली से जानलेवा हमला करने वाला आरोपी पुत्र गिरफ्तार,न्यायिक हिरासत में भेजा गया जेल



कुसमी। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डायनटोली में घरेलू विवाद के दौरान पुत्र द्वारा अपनी ही मां पर कुदाली से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। मामले में कुसमी पुलिस ने आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 31 अक्टूबर 2026 को ग्राम डायनटोली निवासी बिफती उरांव (55 वर्ष), पति मंगल उरांव, अपने घर में लिपाई-पोताई कर रही थीं। इसी दौरान घरेलू बात को लेकर उनके पुत्र गोविन्द बेक (28 वर्ष) के साथ विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान गोविन्द ने जान से मारने की नीयत से घर में रखी छोटी कुदाली (कुदरा) से अपनी मां के सिर पर दो-तीन बार वार कर दिया। हमले में महिला बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ीं। घटना के बाद ग्रामीणों की सहायता से डायल 112 के माध्यम से घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी पहुंचाया गया, जहां उन्हें उपचार के लिए भर्ती कराया गया। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना कुसमी में अपराध क्रमांक 99/2026 धारा 109(1) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान एफएसएल सीन ऑफ क्राइम यूनिट की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने घटनास्थल से खून लगी मिट्टी एवं साधारण मिट्टी जब्त की। वहीं आरोपी के कथन के आधार पर घटना में प्रयुक्त कुदाली भी बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी गोविन्द बेक, पिता स्व. मंगल बेक, उम्र 28 वर्ष, निवासी रामनगर, थाना कुसमी, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज को गिरफ्तार कर 01 नवंबर 2026 को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

जनपद सीईओ ने किया निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण,ऑनलाइन हाजिरी व्यवस्था परखी चांची में 40 मजदूरों की एमएमएस से ली उपस्थिति

- बालिका शौचालय और मुक्तिधाम का भी किया निरीक्षण



बलरामपुर। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत बलरामपुर में वीबी जी राम जी योजना के तहत संचालित कार्यों की मॉनिटरिंग तेज कर दी गई है। इसी कड़ी में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संजय कुमार दुबे ने शुक्रवार को विभिन्न ग्राम पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्यों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण की शुरुआत ग्राम पंचायत चांची से की गई, जहां मनरेगा अंतर्गत डबरी निर्माण कार्य प्रगतिरत है। यहां मनता और साधु के डबरी निर्माण स्थल पर पहुंचकर सीईओ ने मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम (खस्र) से मजदूरों की उपस्थिति दर्ज करने की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं 40 मजदूरों की ऑनलाइन उपस्थिति ली। उपस्थिति दर्ज करने में आ रही तकनीकी समस्याओं को भी बारीकी से समझा और मौके पर मौजूद तकनीकी अमले को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। जनपद सीईओ ने मजदूरों से भी बातचीत की और योजना के तहत मिलने वाली मजदूरी, कार्य अवधि और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक मजदूर की उपस्थिति पारदर्शी तरीके से दर्ज हो और समय पर भुगतान सुनिश्चित हो। इसके लिए एमएमएस सिस्टम को सुदृढ़ करना जरूरी है। इसके उपरांत सीईओ ने जनपद पंचायत क्षेत्र में निर्माणाधीन बालिका शौचालय और मुक्तिधाम के कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, सामग्री की उपलब्धता और कार्य की प्रगति का जायजा लिया। जहां काम धीमा पाया गया, वहां संबंधित सचिव और रोजगार सहायक को तेजी लाने के निर्देश दिए।

पटवारियों को हड़ताल समाप्त कर काम पर लौटने का अल्टीमेटम

- संभाग के सभी 819 पटवारियों को तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश, संबंधित एसडीएम ने जारी किए शो कॉज नोटिस'
- फसल क्षति सर्वेक्षण और जरूरी राजस्व कार्य प्रभावित, अनुपस्थित रहने पर नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी'
- अनुपस्थिति अवधि को ब्रेक इन सर्विस माना जावेगा

अम्बिकापुर। सरगुजा संभाग में हड़ताल पर गए सभी 819 पटवारियों को तत्काल काम पर लौटने के निर्देश दिए गए हैं। संभागायुक्त श्री नरेन्द्र दुग्गा ने संबंधित पटवारियों को तत्काल कार्य पर उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सरगुजा संभाग के सभी 6 जिलों के अनुविभागीय दण्डाधिकारियों (एसडीएम) को निर्देशित करते हुए कहा कि उनके अनुविभाग में जो-जो पटवारी हड़ताल पर गए हैं उन्हें नोटिस जारी कर तत्काल अपने कर्तव्य पर उपस्थित होकर कार्यभार ग्रहण करने तथा संबंधित तहसीलदार के माध्यम से उसी दिन व्यक्तिगत लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित तिथि पर मुख्यालय में उपस्थिति नहीं देने एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं करने पर नियमानुसार एकपक्षीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। सूरजपुर जिले के 192, सरगुजा जिले के 216, कोरिया के 60, एमसीबी जिले के के 51, जशपुर जिले के 150 एवं बलरामपुर जिले के 150 पटवारियों को शो-काज नोटिस जारी किया गया है। बलरामपुर जिले में मुख्यालय में निवास नहीं करने के कारण 5 पटवारियों को निलंबित की कार्यवाही भी की गई है एवं सभी हड़ताल पर गए पटवारियों को निर्देशित किया गया है कि वे तत्काल अपने कार्य पर उपस्थित होकर शासकीय कार्य का संपादन करे। संभागायुक्त श्री दुग्गा ने कहा कि सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति अथवा स्वीकृत अवकाश के बिना कर्तव्य से अनुपस्थित रहने के कारण महत्वपूर्ण एवं समयबद्ध शासकीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इनमें डिजिटल क्रॉप सर्वे, फिजिकल वेरिफिकेशन, एग्रीस्टैक तथा आगामी धान खरीदी से संबंधित कृषक अभिलेखों का सत्यापन शामिल है। इसके अलावा आय, जाति एवं निवास प्रमाणपत्रों के लिए आवश्यक जांच प्रतिवेदन, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों सहित अन्य जरूरी कार्यों पर भी असर पड़ रहा है। चक्रवाती तूफान के कारण विभिन्न क्षेत्रों में हुई फसल क्षति का त्वरित सर्वेक्षण, नुकसान का आकलन और पात्रतानुसार राहत संबंधी कार्रवाई प्राथमिकता से की जानी है। पटवारियों की अनुपस्थिति से ये अत्यावश्यक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं, जिससे किसानों एवं आम नागरिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संबंधित पटवारियों से अनधिकृत अनुपस्थिति के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई, अनुपस्थिति अवधि के वेतन एवं अन्य सेवा लाभों के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई तथा उक्त अवधि को सेवा में व्यवधान (ब्रेक इन सर्विस) माना जाएगा।

पांच महीने बाद गोरता राशन दुकान में वितरण शुरू, 200 से अधिक हितग्राहियों को मिला बकाया राशन



- 900 राशन कार्डधारियों में अब तक करीब 200 को अक्टूबर तक का राशन वितरित, शेष 700 हितग्राहियों को राशन मिलने का इंतजार; वितरण की गति पर टिकी ग्रामीणों की नजर

लखनपुर। सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम गोरता की शासकीय उचित मूल्य दुकान में पांच महीने से राशन वितरण नहीं होने की शिकायत और प्रशासनिक जांच के बाद अब हितग्राहियों को राशन वितरण शुरू कर दिया गया है। राशन नहीं मिलने से परेशान ग्रामीणों को अब राहत मिलने लगी है। जानकारी के अनुसार, उचित मूल्य दुकान में लंबे समय से राशन वितरण नहीं किए जाने को लेकर ग्रामीणों ने शिकायत की थी। इसके बाद अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान राशन की कमी का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने दुकान संचालक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। वहीं, अब दुकान संचालक द्वारा हितग्राहियों को दो से तीन महीने का राशन एक साथ वितरित किया जा रहा है। अब तक लगभग 200 से अधिक हितग्राहियों को अक्टूबर माह तक का बकाया राशन दिया जा चुका है। शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालक कृष्ण देव सिंह ने बताया कि हितग्राहियों को अक्टूबर माह तक का बकाया राशन वितरण किया जा रहा है। धीरे-धीरे सभी हितग्राहियों को राशन उपलब्ध कराया जाएगा। गौरतलब है कि ग्राम गोरता में लगभग 900 राशन कार्डधारी हितग्राही हैं। इनमें से अब तक करीब 200 हितग्राहियों को ही अक्टूबर माह तक का राशन मिल पाया है, जबकि शेष लगभग 700 हितग्राही अभी भी राशन मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

अब शेष हितग्राहियों को कब मिलेगा राशन?

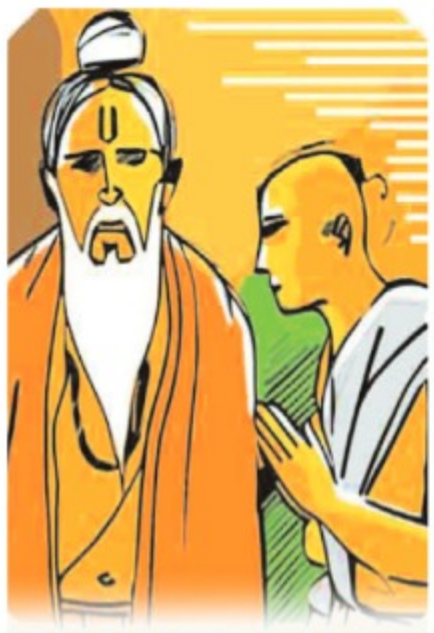
राशन वितरण शुरू होने के बाद भी ग्रामीणों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि शेष 700 हितग्राहियों को कब तक उनका बकाया राशन मिलेगा। क्या सभी हितग्राहियों को निर्धारित समय सीमा में राशन उपलब्ध करा दिया जाएगा या फिर वितरण में देरी होने पर प्रशासन दुकान संचालक के खिलाफ कोई वैधानिक कार्रवाई करेगा?

कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन में डॉ. आर.एस. सिंह के नेतृत्व पर फिर लगी मुहर सर्वसम्मति से पुनः निर्विरोध चुने गए जिला संयोजक.....

सूरजपुर संवाददाता- छत्तीसगढ़ प्रदेश के सबसे बड़े कर्मचारी संगठनों में शामिल कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के जिला संयोजक पद पर डॉ. आर.एस. सिंह एक बार फिर निर्विरोध निर्वाचित हुए। उनके पुनः चयन से जिले के कर्मचारी-अधिकारी संगठनों में हर्ष का माहौल है। गौरतलब है कि फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा द्वारा प्रदेश के समस्त जिलों में जिला संयोजकों के चयन के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। इसी क्रम में सूरजपुर जिले में निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए प्रांतीय पर्यवेक्षक ओंकार सिंह, रोहित तिवारी, जी.आर. चंद्रा, डॉ. नृपेंद्र सिंह एवं सत्येंद्र देवांगन जिला अस्पताल के सभागार पहुंचे। पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ करते हुए जिला संयोजक पद के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए। इस दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष मनीष दीपक साहू ने डॉ. आर.एस. सिंह के नाम का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव का समर्थन छत्तीसगढ़ प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ सूरजपुर के जिलाध्यक्ष सचिन त्रिपाठी एवं छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन के अध्यक्ष शशि भूषण दुबे ने किया। इसके पश्चात उपस्थित विभिन्न कर्मचारी संगठनों के जिलाध्यक्षों एवं पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव का समर्थन किया। इस प्रकार डॉ. आर.एस. सिंह पुनः निर्विरोध जिला संयोजक निर्वाचित घोषित किए गए। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। इनमें मोहम्मद इकबाल अंसारी, जिलाध्यक्ष प्रदेश लिपिक वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ; आदित्य शर्मा, जिलाध्यक्ष स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ; दयानंद



चौबे, जिलाध्यक्ष छत्तीसगढ़ पेंशनर समाज; राजेश कुमार साहू, जिलाध्यक्ष राजस्व पटवारी संघ; आर.जी.पी. गुप्ता, जिलाध्यक्ष संयुक्त स्वास्थ्य कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़; गोपाल विश्वकर्मा, जिलाध्यक्ष सर्व शिक्षक संघ; हुलेश्वर प्रसाद गुप्ता, जिलाध्यक्ष छत्तीसगढ़ लिपिक वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ सूरजपुर; सतीश प्रताप सिंह देव, जिलाध्यक्ष प्रतिनिधि छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ सूरजपुर; रवि कुमार राजवाड़े, जिलाध्यक्ष छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ; शिवकुमार, जिला प्रतिनिधि छत्तीसगढ़ लघु वेतन शासकीय चतुर्थ वर्ग कर्मचारी संघ; राजकुमार सिंह, जिलाध्यक्ष सीएसी संघ; एकांत कुमार जायसवाल, जिलाध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय छात्रावास अधीक्षक संघ; रमेश राजवाड़े, प्रदेश महामंत्री छत्तीसगढ़ प्रदेश शासकीय वाहन चालक संघ; राकेश सेंकराज, जिलाध्यक्ष प्रदेश शिक्षक महासंघ तथा मंजू, छत्तीसगढ़ प्रदेश नर्सेज एसोसिएशन सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। डॉ. आर.एस. सिंह का पुनः निर्विरोध चयन कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के प्रति उनके नेतृत्व, सक्रियता एवं विभिन्न संगठनों के बीच स्थापित विश्वास का परिचायक है। उनके नेतृत्व में फेडरेशन कर्मचारी-अधिकारी हितों की आवाज को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा, ऐसी अपेक्षा उपस्थित पदाधिकारियों ने व्यक्त की।



पुजारी और पंडित में क्या होता है अंतर

जब भी आप मंदिर दर्शन के लिए जाते होंगे तो वहां आपको पुजारी अवश्य मिलते होंगे। वहीं, मंदिरों में पंडित भी दिख जाते होंगे। ज्यादातर लोग यही मानते हैं कि पंडित और पुजारी एक ही होते हैं जब कि दोनों में बहुत बड़ा अंतर है। तो चलिए जानते हैं कि आखिर कैसे पुजारी पंडित से अलग होते हैं।

कौन होते हैं पुजारी

पुजारी उन्हें कहा जाता है जो मंदिर में सेवा करते हैं। पुजारी का काम होता है मंदिर में स्थापित भगवान की पूजा-अर्चना करना, उनकी सेवा करना, उन्हें समय-समय पर भोग लगाना, उनकी आरती करना आदि यानी कि पुर्णतः भगवान के कामों के लिए समर्पित रहना। इसके अलावा, पुजारी मंदिर की देखभाल और भगवान के दर्शनों के लिए मंदिर में आए भक्तों तक भगवान का प्रसाद पहुंचाने का काम भी करते हैं। पुजारी मंदिर के दायरे तक सीमित होते हैं और मंदिर के गर्भगृह से जुड़े तमाम कार्यों में उनकी सहभागिता होती है।

कौन होते हैं पंडित

पंडित वो होते हैं जो सिर्फ भगवान के कामों के लिए प्रतिबद्ध नहीं होते हैं। पंडित भगवान की पूजा से लेकर सांसारिक कार्यों जैसे कि गृह प्रवेश, विवाह, मुंडन संस्कार, जनेऊ संस्कार आदि तक को करने के लिए जाने जाते हैं। विभिन्न पाठों, यज्ञ-अनुष्ठानों को भी पंडित करवाते हैं। पंडित का एक धर्म यह भी होता है कि मृत्यु के बाद की जो भी परिक्रियाएं होती हैं उन्हें भी संपन्न कराना। पंडित को इन सभी कार्यों को करने के एवज में दक्षिणा भी मिलती है जबकि पुजारी को किसी भी प्रकार की दक्षिणा लेना वर्जित माना गया है। एक और बड़ा अंतर है इन दोनों में।

पहले के समय में पुजारी गृहस्थ नहीं हुआ करते थे। मंदिर की सेवा के लिए जो भी पुजारी के रूप में नियुक्त होता था उसे विरक्त दीक्षा लेनी पड़ती थी। हालांकि अब के समय में पंडित हो या पुजारी दोनों ही गृहस्थ जीवन का निर्वाह करते हैं और सांसारिकता से जुड़े हुए हैं।



दिवाली से पहले आएगी रमा एकादशी

कब रखें व्रत और कैसे मिलेगा पुण्य

हिन्दू धर्म में रमा एकादशी हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण व्रत है. यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है. रमा एकादशी को बहुत शुभ माना जाता है. इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है. इसके अलावा जीवन में आने वाली बाधाएं खत्म होती हैं और घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है. इस दिन भक्त भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, व्रत रखते हैं और भजन-कीर्तन करते हैं. रमा एकादशी एक पवित्र व्रत है. इस व्रत को करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-शांति आती है.



रमा एकादशी कब है

पंचांग के अनुसार, इस साल रमा एकादशी का व्रत 5 नवंबर 2026, गुरुवार को रखा जाएगा. एकादशी तिथि 4 नवंबर को सुबह 11 बजकर 3 मिनट से शुरू होगी और 5 नवंबर को सुबह 10 बजकर 35 मिनट पर समाप्त होगी. उदया तिथि के अनुसार, व्रत 5 नवंबर को रखा जाएगा. रमा एकादशी का नाम माता लक्ष्मी के एक नाम 'रमा' पर पड़ा है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान विष्णु की पत्नी माता लक्ष्मी को रमा भी कहा जाता है. इसी वजह से इस एकादशी पर भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी की पूजा करने का विशेष महत्व है.

पद्म पुराण में भी रमा एकादशी के व्रत का उल्लेख मिलता है. मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से व्यक्ति के पाप दूर होते हैं. साथ ही, भक्त परिवार की सुख-शांति और आर्थिक समृद्धि के लिए भगवान से प्रार्थना करते हैं.

रमा एकादशी की पूजा विधि

- कार्तिक कृष्ण एकादशी तिथि पर व्रती को सूर्योदय से पूर्व उठकर स्नानादि कर लेना चाहिए। फिर, साफ वस्त्र धारण करें।
- नित्य कर्म करने के बाद पूजा स्थल साफ करें और वहां एक लकड़ी की चौकी पर लाल या पीले रंग का साफ वस्त्र बिछाएं।
- चौकी पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद, चारों ओर गंगाजल का छिड़काव करें।
- अब सबसे पहले में मन में भगवान विष्णु का ध्यान करते हुए रमा एकादशी व्रत का संकल्प करें। फिर, पूजा की शुरुआत करें।
- लक्ष्मीनारायण को चंदन, फूल, धूप, तुलसी दल आदि अर्पित करें। साथ ही, मंदिर में एक शुद्ध देसी घी का दीपक जरूर जलाएं।
- भगवान विष्णु के मंत्र 'ओम नमो भगवते वासुदेवाय' का जप करें। इस दिन श्रीसूक्त या विष्णु सहस्रनाम का पाठ करना भी शुभ माना जाता है।
- रमा एकादशी व्रत कथा का पाठ करने के बाद विधि-पूर्वक भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा आरती करें।
- शाम को भी इसी प्रकार भगवान विष्णु और लक्ष्मी मां की पूजा करें और उन्हें भोग लगाएं। द्वादशी के दिन शुभ मुहूर्त में व्रत का पारण करें।
- रमा एकादशी पूजा मंत्र

ओम नमो भगवते वासुदेवाय।
ओम श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः।

रमा एकादशी का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है. रमा एकादशी पर व्रत और पूजा करने से भक्त भगवान विष्णु तथा माता लक्ष्मी का आशीर्वाद पाने की कामना करते हैं. धार्मिक मान्यता है कि इससे जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है. कई लोग इस दिन जरूरतमंदों को भोजन, अनाज और वस्त्र का दान भी करते हैं. मान्यता है कि श्रद्धा के साथ किया गया दान पुण्यदायी होता है. व्रत रखने वाले लोगों को अपनी सेहत का ध्यान रखते हुए व्रत करना चाहिए और पारण निर्धारित समय में करना चाहिए.

एकादशी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान आदि के बाद व्रत संकल्प लें. पूजा के दौरान भगवान विष्णु को पीली मिठाई का भोग लगाना चाहिए क्योंकि पीला रंग भगवान श्रीहरि का प्रिय रंग माना जाता है. भगवान विष्णु के साथ-साथ देवी लक्ष्मी की भी पूजा करें. इस दिन पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाना भी शुभ माना जाता है.





भगवान गणेश को क्यों कहते हैं गणपति बप्पा?

सनातन धर्म में भगवान गणेश को प्रथम पूजनीय देवता माना जाता है। इनकी पूजा विधिवत रूप से करने से सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

भगवान गणेश, जिन्हें गणपति, विनायक, और गणेशजी के नाम से भी जाना जाता है, हिंदू धर्म के प्रमुख देवताओं में से एक हैं। उन्हें बुद्धि, समृद्धि, और भाग्य का देवता माना जाता है। गणेशजी को नए आरंभों, यात्रा, और किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत में पूजा जाता है। गणेश चतुर्थी का त्योहार उनके सम्मान में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। गणेश की पूजा विशेष रूप से उन अवसरों पर की जाती है जब कोई नया कार्य या योजना शुरू की जाती है, क्योंकि उन्हें नए आरंभों और बाधाओं को हटाने वाला माना जाता है। गणेश का वाहन एक चूहा होता है, जो उनकी विनम्रता और सभी बाधाओं को पार करने की क्षमता का प्रतीक है। बता दें, गणेश चतुर्थी के दिन गणेश जी के सिद्धि विनायक स्वरूप की पूजा विशेष रूप से करने की मान्यता है। अब ऐसे में भगवान गणेश को बप्पा क्यों कहा जाता है।

क्यों कहा जाता है गणपति बप्पा?

गणपति बप्पा यह नाम भगवान गणेश के लिए एक प्रिय और लोकप्रिय संबोधन है, जो भारत में विशेष रूप से गणेश चतुर्थी के दौरान अत्यधिक उपयोग किया जाता है। गणपति यह शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है - गण और पति। गण का अर्थ है समूह या समुदाय, और पति का अर्थ है स्वामी या प्रभु। अतः गणपति का शाब्दिक अर्थ होता है सभी गणों के स्वामी। यह भगवान गणेश की सर्वोच्च स्थिति और उनके ज्ञान का प्रतीक है। बप्पा एक मराठी शब्द है, जिसका अर्थ है पिता या पिताजी। यह शब्द भगवान गणेश के प्रति एक व्यक्तिगत और घनिष्ठ संबंध को दर्शाता है। यह एक ऐसा शब्द है जिसे बच्चे अपने पिता को बुलाते हैं और यह भगवान गणेश की करुणा और दयालु स्वभाव को दर्शाता है। मोरया शब्द के पीछे कई कहानियां और व्याख्याएं हैं। एक लोकप्रिय मान्यता के अनुसार, यह शब्द मोरया गोसावी से जुड़ा हुआ है, जो एक संत थे। कहा जाता है कि मोरया गोसावी ने ही सबसे पहले भगवान गणेश को बप्पा मोरया कहा था। कुल मिलाकर, गणपति बप्पा नाम भगवान गणेश के ज्ञान, शक्ति, दयालु स्वभाव और उनके भक्तों के प्रति प्रेम का प्रतीक है। यह नाम भगवान गणेश को एक ऐसे देवता के रूप में दर्शाता है जो न केवल पूजनीय हैं, बल्कि एक पिता, मित्र और मार्गदर्शक भी हैं। गणेश चतुर्थी के दौरान, भक्तों द्वारा गणपति बप्पा मोरया का जयकारा लगाया जाता है। यह जयकारा भगवान गणेश के प्रति भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक है।



दिन के इस विशेष समय पर करें इस मंत्र का जाप, पाप होंगे नष्ट और होगी भगवान श्री कृष्ण की कृपा

ज्योतिष शास्त्र में मंत्रों का अत्यधिक महत्व है। ज्योतिष के अनुसार, ग्रहों, नक्षत्रों और राशियों की ऊर्जा का हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। मंत्रों का जाप करके हम इन ग्रहों, नक्षत्रों और राशियों की अनुकूल ऊर्जा को प्राप्त कर सकते हैं और अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

जन्म कुंडली में यदि किसी ग्रह की स्थिति कमजोर या अशुभ हो तो उस ग्रह से संबंधित मंत्रों का जाप करके ग्रहों के दोषों को दूर किया जा सकता है। यदि आप जीवन में किसी विशेष क्षेत्र में सफलता प्राप्त करना चाहते हैं, जैसे कि शिक्षा, करियर, विवाह, स्वास्थ्य आदि, तो उस क्षेत्र से संबंधित मंत्रों का जाप करके आप अपनी इच्छाओं को पूरा कर सकते हैं। यदि आप अपने जीवन में नकारात्मक ऊर्जा, बाधाओं या संघर्षों का सामना कर रहे हैं, तो रक्षा कवच या शांति स्त्रोत प्रदान करने वाले मंत्रों का जाप करके आप इन नकारात्मक ऊर्जाओं को दूर कर सकते हैं। विभिन्न ग्रहों से संबंधित मंत्रों का जाप करके हम उन ग्रहों की अनुकूल ऊर्जा को प्राप्त कर सकते हैं, जिससे हमारे जीवन में समृद्धि, खुशी और सफलता आ सकती है। अब ऐसे में भगवान श्रीकृष्ण का ऐसा शक्तिशाली मंत्र है। जिसका जाप करने से व्यक्ति को सभी कष्टों से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही आरोग्य की भी प्राप्ति हो सकती है।

भगवान श्रीकृष्ण के शक्तिशाली मंत्र का करें जाप

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण के इस मंत्र का जाप करना बेहद शुभ और उत्तम साबित हो सकता है। ऐसी मान्यता है कि इस मंत्र का जाप करने से व्यक्ति को सभी कष्टों से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं। इस मंत्र पवित्रता, शुद्धता, सफलता और आरोग्य का कारक माना जाता है।

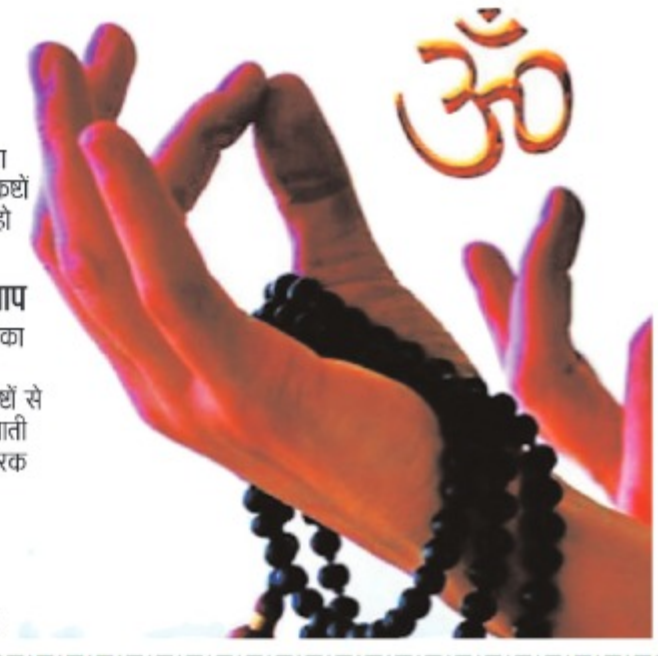
कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने ॥
प्रणत- क्लेशनाशाय गोविंदाय नमो नम- ॥

इस मंत्र का करें 108 बार जाप

अगर आप भगवान श्रीकृष्ण के इस शक्तिशाली मंत्र का जाप कर रहे हैं, तो 108 बार करें। इससे शुभ शीघ्र लाभ मिलने की संभावना होती है। साथ ही इस मंत्र का विधिवत रूप से जाप करें।

इस मंत्र का जाप किस विधि से करें

अगर आप भगवान श्रीकृष्ण के इस मंत्र का जाप कर रहे हैं, तो स्नान करने के बाद स्वच्छ वस्त्र पहनकर जाप कर सकते हैं। इस मंत्र का जाप आसन पर बैठकर करें। इस मंत्र का जाप विशेष रूप से रात में सोने से पहले करें। इससे उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।



कोर्सेवाड़ा का निधन प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति, वे सुलझे हुए, परिपक्व, मिलनसार और मृदुभाषी जनप्रतिनिधि थे : मुख्यमंत्री साय

विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा पंचतत्व में हुए विलीन, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दिया कंधा, नम आंखों से दी अंतिम विदाई

पैतृक ग्राम भेण्ड्रा में राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार, मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिजनों से मिलकर बंधाया ढांढस



दुर्ग/ अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष स्वर्गीय डोमनलाल कोर्सेवाड़ा आज पंचतत्व में विलीन हो गए। बालोद जिले के गुंडरदेही विकासखंड स्थित उनके पैतृक ग्राम भेण्ड्रा में पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने स्वर्गीय कोर्सेवाड़ा की पार्थिव देह पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा उनके पार्थिव शरीर को कंधा देकर उन्हें अंतिम विदाई दी। मुख्यमंत्री साय ने उनके शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और उन्हें इस कठिन समय में ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि उनका असमय निधन पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है। कोर्सेवाड़ा अहिवारा विधानसभा क्षेत्र से दूसरी बार विधायक निर्वाचित हुए थे। वे अत्यंत सुलझे हुए, परिपक्व, मिलनसार और मृदुभाषी जनप्रतिनिधि थे। वे सदैव अपने क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए चिंतित रहते थे। एक शिक्षक से विधायक तक का उनका सफर जनसेवा के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। मुख्यमंत्री साय ने भावुक होते हुए कहा कि कोर्सेवाड़ा के उपचार के दौरान उनकी लगातार बातचीत होती रही थी। कहीं से भी ऐसा नहीं लग रहा था कि वे हैदराबाद से स्वस्थ होकर वापस नहीं लौटेंगे। निधन से एक दिन पूर्व प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी हैदराबाद जाकर उनसे मिले थे और चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य एवं उपचार की विस्तृत जानकारी ली थी। चिकित्सकों से मेरी भी बातचीत कराई गई थी।

सभी चिकित्सक उनके स्वास्थ्य लाभ के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे थे। स्वयं कोर्सेवाड़ा ने भी स्वस्थ होकर वापस लौटने की उम्मीद जताई थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कोर्सेवाड़ा का निधन उनके विधानसभा क्षेत्र और प्रदेश के लिए अत्यंत दुःखद है। उनका सहज, सरल व्यक्तित्व और जनसेवा के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय डोमनलाल कोर्सेवाड़ा का 78 वर्ष की आयु में हैदराबाद में उपचार के दौरान निधन हो गया था।गौरतलब है कि आज शनिवार सुबह उनका पार्थिव शरीर विमान से रायपुर पहुंचा। स्वामी विवेकानंद विमानतल पर लोगों के अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि अर्पित करने की व्यवस्था की गई थी। इसके बाद पार्थिव शरीर भिलाई-3 स्थित उनके शासकीय आवास पहुंचा, जहां परिजनों, जनप्रतिनिधियों और शुभचिंतकों ने अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की।इसके पश्चात पार्थिव शरीर को उनके पैतृक ग्राम भेण्ड्रा ले जाया गया, जहां राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद विजय बघेल एवं भोजराज नाग, विधायक पुन्नूलाल मोहले, ईश्वर साहू, ललित चन्द्राकर, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय सहित अनेक स्थानीय जनप्रतिनिधि, कलेक्टर दुर्ग अभिजीत सिंह, कलेक्टर बालोद मती दिव्या उमेश मिश्रा, एसपी किरण गंगाराम चव्हाण सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, बड़ी संख्या में सतनामी समाज के गणमान्य नागरिक और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी द्वारा जिला न्यायालय दुर्ग का वार्षिक निरीक्षण





दुर्ग। न्यायालयीन एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का लिया जायजा; डिजिटल न्यायिक पहलों की प्रगति से कराया गया अवगत। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति तथा जिला न्यायालय दुर्ग के पोर्टफोलियो जज माननीय न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी द्वारा आज प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रजिस्ट्रार विजिलेंस अब्दुल जाहिद कुरैशी भी उपस्थित रहे।माननीय पोर्टफोलियो न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी एवं रजिस्ट्रार विजिलेंस अब्दुल जाहिद कुरैशी के दुर्ग आगमन पर जिला न्यायालय परिसर में उनकी गरिमामयी अगवानी की गई। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के. विनोद कुजूर, कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश मती सुमन एक्का, कलेक्टर अभिजीत सिंह तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने माननीय न्यायमूर्ति का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय व आदरपूर्ण स्वागत किया। माननीय न्यायमूर्ति द्वारा जिला न्यायालय के समस्त न्यायालयों, रिकॉर्ड रूम, प्रतिलिपि शाखा, स्थापना कार्यालय, नजारत तथा अन्य महत्वपूर्ण शाखाओं का निरीक्षण किया गया। इस दौरान न्यायालयीन एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं, अभिलेखों के संधारण तथा विभिन्न शाखाओं की कार्यप्रणाली का अवलोकन कर न्यायालय के सुचारु संचालन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी प्राप्त की गई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान जिला न्यायालय के न्यायाधीशगण के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें न्यायालयीन कार्यशैली, न्यायिक प्रक्रिया एवं विभिन्न महत्वपूर्ण विधिक विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में न्यायाधीशगण द्वारा जिला न्यायालय में डिजिटल न्यायिक पहलों के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों एवं उपलब्धियों से माननीय न्यायमूर्ति को अवगत कराया गया।

विशेष रूप से न्यायश्रुति के माध्यम से ई-साक्ष्य, सीआईएस के माध्यम से ई-समंस तथा ई-टिकिट के संबंध में की जा रही कार्यवाहियों की जानकारी प्रस्तुत की गई।इसके अतिरिक्त, जिला न्यायालय परिसर में आने-जाने वाले नागरिकों की सुविधा एवं प्रवेश व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से डिजिटल गेट पास की सुविधा हेतु विकसित सॉफ्टवेयर के संबंध में तैयार की गई वीडियो भी माननीय न्यायमूर्ति को प्रदर्शित की गई।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत 'वॉकाथॉन' का आयोजन



सेल-भिलाई। सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 के अंतर्गत सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सतर्कता विभाग द्वारा क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग के सहयोग से 31 अक्टूबर 2026 को प्रातः 7:00 बजे मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) से सीईजेड चौक तक 'वॉकाथॉन' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शपथ दिलाकर संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने गुब्बारे छोड़कर एवं झंडी दिखाकर वॉकथॉन को रवाना किया।इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन ÷समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा÷ विषय पर किया जा रहा है। वॉकाथॉन के माध्यम से समाज में ईमानदारी एवं पारदर्शिता के महत्व को रेखांकित करते हुए भ्रष्टाचार के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ए के चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीन निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएँ) पी के सरकार, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक (खदान) कमल भास्कर, कार्यपालक निदेशक (रावघाट) अरुण कुमार सहित मुख्य महाप्रबंधकगण, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ चिकित्सक, संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारीगण, क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नगर सेवाएं विभाग के कर्मचारीगण तथा इस्पात नगरी के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मानव संसाधन विकास केंद्र से प्रारंभ हुई यह वॉकाथॉन सीईजेड चौक से वापस लौटकर मानव संसाधन विकास केंद्र में समाप्त हुई।

तेज एवं खतरनाक वाहन चालन से हुई युवक की मृत्यु के मामले में दो अभियुक्त दोषसिद्ध

सत्र न्यायालय, दुर्ग द्वारा मोटरसाइकिल चालक को 05 वर्ष का सश्रम कारावास एवं वाहन स्वामी को 03 माह का साधारण कारावास



दुर्ग। सत्र न्यायाधीश, दुर्ग के. विनोद कुजूर के न्यायालय द्वारा सत्र प्रकरण क्रमांक 55/2026, राज्य विरुद्ध मोहित कुमार बघेल एवं अन्य में पारित निर्णय के माध्यम से तेज एवं खतरनाक वाहन चालन से हुई युवक की मृत्यु के मामले में दोनों अभियुक्तों को दोषसिद्ध करते हुए दंडित किया गया है। प्रकरण के अनुसार, दिनांक 04 अगस्त 2025 को रात्रि लगभग 08:30 बजे इंदु आई.टी. स्कूल, कोहका के पास अभियुक्त मोहित कुमार बघेल द्वारा मोटरसाइकिल क्रमांक छत्त-07-थ्ह्रु-2768 को तेज गति एवं खतरनाक तरीके से चलाते हुए विपरीत दिशा में ले जाकर सामने से आ रही एक्टिवा क्रमांक छत्त-19ञ्-2771 को टक्कर मार दी गई थी। उक्त दुर्घटना में एक्टिवा चालक शादान अली को गंभीर चोटें आईं, जिसके परिणामस्वरूप उनकी मृत्यु हो गई। एक्टिवा में पीछे बैठे उत्तम कुमार पाण्डेय भी घायल हुए थे। प्रकरण के विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत मौखिक, चिकित्सकीय एवं तकनीकी साक्ष्यों का परीक्षण करते हुए न्यायालय ने अभियुक्त मोहित कुमार बघेल के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105 एवं 110 तथा मोटर यान अधिनियम की धारा 184 एवं 3/181 के अंतर्गत आरोप प्रमाणित पाए। वहीं, अभियुक्त मोहन लाल बघेल के विरुद्ध अपने आधिपत्य की मोटरसाइकिल बिना वैध चालन अनुज्ञप्ति वाले व्यक्ति को सार्वजनिक स्थान पर चलाने हेतु देने के संबंध में मोटर यान अधिनियम की धारा 5/180 के अंतर्गत आरोप प्रमाणित पाए गए।

न्यायालय द्वारा पारित दंड्यादेश- न्यायालय द्वारा अभियुक्त मोहित कुमार बघेल को–* भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105 के अंतर्गत 05 वर्ष का सश्रम कारावास एवं ?1,000 अर्थदंड।* भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 110 के अंतर्गत 03 वर्ष का सश्रम कारावास एवं ?1,000 अर्थदंड।* मोटर यान अधिनियम की धारा 184 के अंतर्गत 10 माह का साधारण कारावास एवं ?3,000 अर्थदंड।* मोटर यान अधिनियम की धारा 3/181 के अंतर्गत 03 माह का साधारण कारावास एवं ?5,000 अर्थदंड।से दंडित किया गया है।अभियुक्त मोहन लाल बघेल को मोटर यान अधिनियम की धारा 5/180 के अंतर्गत 03 माह का साधारण कारावास एवं ?5,000 अर्थदंड से दंडित किया गया है।न्यायालय द्वारा अभियुक्त मोहित कुमार बघेल को विभिन्न धाराओं के अंतर्गत दी गई कारावास की सजाएं एक साथ भुगताए जाने का आदेश दिया गया है। यह निर्णय सार्वजनिक मार्गों पर यातायात नियमों के पालन, सुरक्षित वाहन चालन तथा बिना वैध चालन अनुज्ञप्ति के वाहन संचालन की अनुमति देने के विधिक दायित्व के महत्व को रेखांकित करता है।

जगाने का बेहतरीन माध्यम बनेगा 'टिंकरथॉन', जिला स्तरीय अटल टिंकरिंग प्रयोगशाला मॉडल, प्रतियोगिता टिंकरथॉन 2026' का सफल आयोजन



भिलाई। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) दुर्ग में राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के निर्देशानुसार तथा डाइट प्राचार्य पीसी मरकले के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय अटल टिंकरिंग प्रयोगशाला मॉडल प्रतियोगिता टिंकरथॉन 2026' का आयोजन 30 अक्टूबर शुक्रवार को केपीएस नेहरू नगर में किया गया। खास बात यह रही कि शासकीय स्कूलों से आए इन बच्चों के मॉडल और प्रेजेंटेशन को आईआईटी भिलाई के प्रोफेसरों ने मौजूद रह कर परखा और सराहा। सुबह उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि बाल संरक्षण आयोग छत्तीसगढ़ शासन की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने बच्चों के हुनर को सराहते हुए कहा कि ऐसे मंच विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और नई तकनीक के प्रति जिज्ञासा जगाने का बेहतरीन माध्यम बनते हैं। आयोजन में स्वागत भाषण देते हुए डाइट प्राचार्य पीसी मरकले ने कहा कि स्कूली बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता और व्यावहारिक शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'टिंकराथॉन 2026' का आयोजन एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि अटल इनोवेशन मिशन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप युवा मस्तिष्कों को पोषित करने के उद्देश्य से इसे तैयार किया गया है।

विशेष अतिथि शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक के. वी. राव ने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए ये नवाचारी मॉडल आने वाले समय में देश के तकनीकी विकास को एक नई दिशा देंगे। दुर्ग के जिला शिक्षा अधिकारी जगदीश धीर ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों को अपनी छिपी हुई प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। केपीएस के चेयरपर्सन आनंद त्रिपाठी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों में वैज्ञानिक सोच को विकसित करने में ऐसे आयोजन सहायक होंगे।

आईआईटी भिलाई के विषय विशेषज्ञों की टीम ने परखी बच्चों की मेधा–आयोजन में निर्णायक के तौर पर आईआईटी भिलाई से डीन डॉ संतोष विश्वास, प्रोफेसर डॉ महबूब आलम प्रोफेसर, डॉ अरुण उपाध्याय और प्रोफेसर डॉ अमित घर ने निष्पक्ष रूप से सभी मॉडलों का अवलोकन कर निर्णय लिया। नोडल अधिकारी सत्येंद्र शर्मा ने बताया कि ÷नवाचार- सृजन-प्रेरणा÷ की थीम पर आधारित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में दुर्ग जिले के 14 अटल टिंकरिंग लैब स्वीकृत विद्यालयों के कुल 43 उत्कृष्ट मॉडलों का प्रदर्शन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी नवाचारी सोच और वैज्ञानिक प्रतिभा का परिचय दिया।

दीपावली से पहले बाजार क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त करने अभियान

आयुक्त लीना कोसम ने इंदिरा मार्केट से बनियापारा तक सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण, व्यापारियों से की स्वच्छता बनाए रखने की अपील



दुर्ग/ नगर पालिक निगम।दीपावली पर्व को देखते हुए नगर निगम प्रशासन द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। आयुक्त लीना कोसम के निर्देश पर निगम स्वास्थ्य विभाग का अमला शहर के सभी प्रमुख बाजारों एवं वार्डों में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने में जुटा हुआ है।इसी क्रम में शनिवार सुबह आयुक्त लीना कोसम ने शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र इंदिरा मार्केट सहित बाजार क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने गांधी चौक से इंदिरा मार्केट होते हुए बनियापारा तक सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बाजार क्षेत्र में साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन एवं नालियों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इस दौरान आयुक्त ने आम नागरिकों एवं व्यापारियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि दुकानों से निकलने वाले कचरे को दुकान के बाहर सड़क पर न फेंकें, बल्कि डस्टबिन में एकत्रित कर निगम के कचरा संग्रहण वाहन को ही दें। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना निगम के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक एवं व्यापारी की भी सामूहिक जिम्मेदारी है।दीपावली पर्व के मद्देनजर शहर के सभी 60 वार्डों में विशेष रूप से सफाई एवं नालियों की सफाई कराई गई है। वहीं प्रमुख बाजारों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है, ताकि त्योहार के दौरान बाजारों में आने वाले नागरिकों एवं व्यापारियों को स्वच्छ वातावरण मिल सके।नगर निगम प्रशासन का उद्देश्य दीपावली पर्व पर शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखना है, जिससे शहरवासियों को त्योहार के दौरान बेहतर वातावरण और सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता सहित निगम का स्वास्थ्य विभाग अमला मौजूद रहा।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड सहित सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजनाओं की हुई गहन समीक्षा

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और राष्ट्रीय कार्यक्रमों की प्रगति पर मंथन, CMHO डॉ. अनिल शुक्ला ने दिए सख्त निर्देश





साल्हेवारा/ खैरागढ़ /खैरागढ़-छुईखदान-गंडई।** जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं जनहितकारी बनाने के उद्देश्य से शनिवार को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) डॉ. अनिल कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में अप्रैल से अक्टूबर 2026 तक जिले में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं एवं विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. आशीष शर्मा, खंड चिकित्सा अधिकारी खैरागढ़ डॉ. विवेक बिसेन, छुईखदान डॉ. मनीष बघेल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती सोनल ध्रुव सहित जिला एवं विकासखंड स्तर के चिकित्सा अधिकारी, कार्यक्रम नोडल अधिकारी, प्रबंधकीय अधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधिकारी, ग्रामीण चिकित्सा सहायक एवं स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी उपस्थित रहे।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष जोर- समीक्षा बैठक में गर्भवती महिलाओं के एएनसी पंजीयन, प्रथम तिमाही में पंजीयन, संस्थागत प्रसव तथा मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का आकलन किया गया। नियमित टीकाकरण की उपलब्धियों के साथ जननी, HMIS एवं -WIN पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों और रिपोर्टिंग की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को आंकड़ों की शुद्धता एवं समयबद्ध रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

वहीं जिले में दर्ज मातृ एवं शिशु मृत्यु के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए मृत्यु के कारणों का विश्लेषण कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने तथा सामुदायिक एवं संस्थागत स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया।

आयुष्मान से लेकर टीबी-कुष्ठ उन्मूलन तक कार्यक्रमों की समीक्षा- बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NPNCD), आयुष्मान भारत कार्ड, वय वंदना कार्ड, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK), प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (PMNDP), कुष्ठ उन्मूलन (NLEP), राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (NTEP), अंधत्व एवं दृष्टि दोष नियंत्रण (NPCBVI), रोग निगरानी कार्यक्रम (IDSP), वेक्टर जनित रोग नियंत्रण (NVBDCP), राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (NOHP) तथा वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (NVHCP) की प्रगति एवं उपलब्धियों की समीक्षा की गई। लंबित प्रविष्टियां शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश- CMHO डॉ. अनिल कुमार शुक्ला एवं सिविल सर्जन डॉ. आशीष शर्मा ने अधिकारियों और मैदानी कर्मचारियों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी करने तथा निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। पोर्टल पर लंबित प्रविष्टियां पूर्ण करने, रिपोर्टिंग की गुणवत्ता सुधारने, पात्र हितग्राहियों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया गया।

आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना लक्ष्य- बैठक का प्रमुख उद्देश्य जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक प्रगति का आकलन करना, कार्यों में आ रही कमियों को चिह्नित करना तथा आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाना रहा। अधिकारियों ने स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से आमजन को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करने पर जोर दिया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com